आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं. 1 क्षेत्रीय अखबार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 169 | इंदौर, शुक्रवार 16 जनवरी, 2026 | माघ कृष्ण 13 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

देश विदेश

एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकराया, इंजन को नुकसान

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकरा गया। एयरलाइन ने बताया कि घने कोहरे में एयरबस ए350 विमान को पार्किंग के लिए ले जाया जा रहा था, तभी यह घटना हुई। हादसे में विमान के इंजन को नुकसान पहुंचा है। विमान में सवार सभी पैसेंजर और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। एयरबस ए350 की फ्लाइट एआई101 दिल्ली से न्यूयॉर्क के बीच चलती है। ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण फ्लाइट को अपना मार्ग बदलना पड़ा और वह वापस दिल्ली लौट आई थी। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की। कहा कि दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद जवान की मां मेडल लेते बेहोश हुई

जयपुर। जयपुर की सड़कों पर ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म, अर्जुन टैंक, पिनाका लॉन्चर, रोबोटिक डॉग्स का प्रदर्शन किया गया। आसमान में अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे ने दुश्मनों के होश उड़ाने वाले करतब दिखाए। नाल (बीकानेर) एयरबेस से उड़ान भरकर आए जगुआर फाइटर जेट की खूबियों से भी आमलोग रू-ब-रू हुए। आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आर्मी-डे परेड जयपुर में हुई। जगतपुरा के महल रोड पर हजारों लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने। उधर, ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 1 पैरा स्पेशल फोर्स के जवान लान्स नायक प्रदीप कुमार की मां सेना मेडल लेते हुए मंच पर बेहोश हो गईं। इन्हें सैन्य अधिकारियों ने संभाला। उन्हें तुरंत मंच से उतारकर एंबुलेंस से हॉस्पिटल ले जाया गया।

अल्लू अर्जुन-लोकेश की नई फिल्म अनाउंस

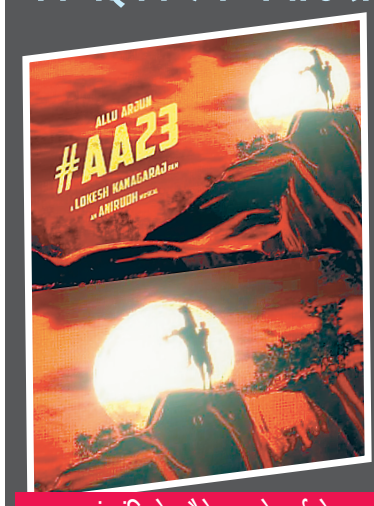

मकर संक्रांति के मौके पर मेकर्स ने एए23 की घोषणा की, एक्टर की 23वीं फिल्म होगी

मुंबई। कई महीनों की अटकलों के बाद आखिरकार पैन इंडिया सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर लोकेश कनगराज की नई फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो गई है। मकर संक्रांति के मौके पर प्रोड्यूसर मैत्री मूवी मेकर्स ने फिल्म की घोषणा की है, जिसे अभी एए23 नाम दिया गया है। यानी कि ये अल्लू अर्जुन की 23 वीं फिल्म होगी। मेकर्स ने अनाउंसमेंट के लिए एक स्पेशल वीडियो बनाया है, जिसमें सॉन्ग '23' बज रहा है। इस गाने को हाइजेनबर्ग ने लिखा है और हेक्टर सलामांका ने गाया है। वीडियो का टैगलाइन ह्यस्ट्राइव फॉर ग्रेटनेसह्न रखा गया है। जो कहीं ना कहीं फिल्म के थीम को दिखा रही है। इस फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर देंगे और शूटिंग इसी साल शुरू होने वाली है। एक्स पर फिल्म की अनाउंसमेंट करते हुए मैत्री मूवी मेकर्स ने लिखा- भारतीय सिनेमा का एक ऐसा कोलेबरेशन, जो अमर रहेगा। आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर लोकेश कनगराज महानता के लिए कोशिश करते हैं। शूटिंग 2026 में शुरू होगी। अल्लू अर्जुन ने फिल्म के अनाउंसमेंट वीडियो को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि वो वेअवरीक और लोकेश गारु के साथ इस नई यात्रा को लेकर बेहद उत्साहित हैं। साथ ही, वो इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

तेलंगाना में आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्या से गांवों में दहशत का माहौल

हैदराबाद/तेलंगाना। तेलंगाना के कई जिलों में आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्या ने ग्रामीणों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच खलबली मचा दी है। कमारेड्डी और हनमकोंडा जिलों में दर्जनों, बल्कि सैकड़ों कुत्तों की मौत की खबरें सामने आई हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, केवल कमारेड्डी जिले में इस सप्ताह 100 से अधिक कुत्तों की हत्या की गई, जबकि हनमकोंडा जिले में यह संख्या 120 से ऊपर बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने नए साल के मौके पर अपने गांवों में कुत्तों की समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा था। भवानिपेट गांव के 37 वर्षीय एक दुकानदार ने बताया, हमारे गांव का नया साल का संकल्प यही था कि कुत्तों के उत्पीड़न से छुटकारा पाया जाए। इस समाधान के तहत, गांववासियों ने स्थानीय फिक्सर और पेशेवर पशु नियंत्रकों की मदद से आवारा कुत्तों को मारने की योजना बनाई।

पाकिस्तान बोला-भारत से संघर्ष के बाद हमारे फाइटर-जेट्स डिमांड में

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ का दावा है कि भारत के साथ पिछले साल मई में हुए संघर्ष के बाद पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों की डिमांड बढ़ गई है। रेडियो पाकिस्तान के मुताबिक, उन्होंने कहा कि कई देश पाकिस्तानी फाइटर जेट्स खरीदने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किन फाइटर जेट्स की डिमांड बढ़ी है। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कई देश पाकिस्तानी जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट्स खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इनमें बांग्लादेश, सूडान, लीबिया, सऊदी अरब, इराक और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं।

आर्मी-डे पर शौर्य संध्या में पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, जय हो से गूंज उठा स्टेडियम, जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में पैराट्रूपर्स से उतरे जवान

आसमान में अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे ने दुश्मनों के होश उड़ाने वाले करतब दिखाए

एजेंसी ▸▸ जयपुर

जयपुर के रटर स्टेडियम में आर्मी-डे पर गुरुवार शाम शौर्य संध्या कार्यक्रम में पैराट्रूपर्स से सेना के जवान उतरे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में पूरा स्टेडियम जय हो के नारे से गूंज उठा। नेपाली सेना के बैंड को सम्मानित किया गया।

इससे पहले सुबह जयपुर की सड़कों पर ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म, अर्जुन टैंक, पिनाका लॉन्चर, रोबोटिक डॉग्स का प्रदर्शन किया गया। आसमान में अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे ने दुश्मनों के होश उड़ाने वाले करतब दिखाए। नाल (बीकानेर) एयरबेस से उड़ान भरकर आए जगुआर फाइटर जेट की खूबियों से भी आमलोग रू-ब-रू हुए। आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आर्मी-डे परेड गुरुवार को जयपुर में हुई। जगतपुरा के महल रोड पर हजारों लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने।

परेड को आर्मी ऑफिसर्स लीड कर रहे थे

- उधर, ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 1 पैरा स्पेशल फोर्स के जवान लान्स नायक प्रदीप कुमार की मां सेना मेडल लेते हुए मंच पर बेहोश हो गईं। इन्हें सैन्य अधिकारियों ने संभाला। उन्हें तुरंत मंच से उतारकर एंबुलेंस से हॉस्पिटल ले जाया गया।
- परेड की शुरूआत ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों को सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित करने के साथ हुई थी। इसके बाद गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स ने परेड कमांडर को सलामी दी। अशोक चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स परेड को लीड कर रहे थे।

दिल्ली कोर्ट के आदेश पर इंदौर में बड़ी रेड

शक्ति पंप लिमिटेड के नकली ब्रांड का भांडाफोड़

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इन्दौर

शक्ति पंप प्राइवेट लिमिटेड के ब्रांड शक्ति की नकल कर बाजार में नकली पंप बेचने का एक बड़ा मामला सामने आया है।

इस मामले में एसके शक्ति नाम से पंप बनाकर बेचने वालों पर कानून का शिकंजा कस गया है। शक्ति पंप कंपनी को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि इंदौर के सियागंज इलाके में स्थित मां वैष्णव पंप. द्वारा पंप बेची जा रही है, जिसकी पैकेजिंग, नाम, डिजाइन, शक्ति लिखने का तरीका और पूरी बनावट हूबहू शक्ति पंप लिमिटेड के पंजीकृत ब्रांड शक्ति जैसी है। इससे आम ग्राहक आसानी से धोखे में आ सकता है।

जांच में बड़ा खुलासा

प्रारंभिक जांच में साफ पाया गया कि यह पूरी गतिविधि ट्रेडमार्क एक्ट 1999 और कॉपीराइट एक्ट 1957 का खुला उल्लंघन है। यह मामला न सिर्फ ब्रांड की नकल का है, बल्कि उपभोक्ताओं को भ्रमित कर अवैध मुनाफा कमाने की कोशिश भी है।

अब बिक्री पूरी तरह गैरकानूनी- दिल्ली डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आदेश के बाद अब से एसके शक्ति नाम से पंप का निर्माण, भंडारण, बिक्री, वितरण, प्रचार या विज्ञापन नहीं कर सकती। ऐसा करना कोर्ट की अवमानना माना जाएगा।

नकली ब्रांडिंग पर कड़ा संदेश- यह कार्रवाई नकली ब्रांड, बौद्धिक संपदा अधिकारों के उल्लंघन और उपभोक्ताओं से धोखाधड़ी करने वालों के लिए एक सख्त चेतावनी है कि कानून अब ऐसे मामलों में बिल्कुल भी नरमी नहीं बरतेगा।

दिल्ली डिस्ट्रीक्ट कोर्ट की सख्त कार्रवाई

शक्ति पंप लिमिटेड की ओर से नवकार एसोसिएट्स के अधिवक्ता नम्रता जैन, विजय सोनी और कृष्णा मणि तिवारी ने दिल्ली के वाणिज्यिक न्यायालय में मामला दायर किया। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया मामला मजबूत पाते हुए लोकल कमिश्नर नियुक्त किया और पुलिस की मदद से सर्च और सीजर की अनुमति दी।

इंदौर में बड़ी रेड

कोर्ट के आदेश पर 15 जनवरी (गुरुवार) को सियागंज, इंदौर स्थित दुकान परिसर पर लोकल कमिश्नर और स्थानीय पुलिस ने छापा मारा। छापे के दौरान बड़ी मात्रा में एसके शक्ति नाम के नकली पंप/पानी की मोटर बरामद की गई, जो शक्ति पंप लिमिटेड के शक्ति ब्रांड की सीधी नकल थी। सभी नकली माल को जब्त कर सील कर दिया गया है और अब यह कोर्ट की कस्टडी में है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किए बृहस्पति महादेव के दर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को उज्जैन प्रवास के दौरान गोलामंडी स्थित प्राचीन बृहस्पति महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों के साथ चाय पी और निर्माणाधीन गीता भवन का अवलोकन भी किया। इससे पहले बुधवार को मुख्यमंत्री ने उज्जैन में पांच दिवसीय महाकाल उत्सव का शुभारंभ किया था। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं, जिनमें पद्मश्री शंकर महादेवन ने शिवोहम की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। महाकाल उत्सव के बाद मुख्यमंत्री रात में उज्जैन में ही रुके थे।

मकर संक्रांति- प्रयागराज में 91 लाख श्रद्धालुओं ने किया स्नान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देशभर के कई हिस्सों में गुरुवार को भी मकर संक्रांति मनाई गई। संक्रांति को लेकर गंगा, यमुना और नर्मदा जैसी प्रमुख नदियों के तटों पर लाखों लोगों ने डुबकी लगाई। प्रयागराज माघ मेले में कल मकर संक्रांति का स्नान पर्व था। संगम में 91 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। आज करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

पतंगबाजी से 17 लोगों की मौत- मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के दौरान लगातार हादसे भी सामने आ रहे हैं। बीते दो दिनों में गुजरात में में 9 और राजस्थान में 6, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में 1-1 लोगों की मौत हो चुकी है। यूपी के वाराणसी के गंगा घाट और पश्चिम बंगाल के गंगासागर में स्नान के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी है। पंजाब के अमृतसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सचखंड श्री दरबार साहिब में पवित्र स्नान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकर संक्रांति के अवसर पर अपने आवास पर गायों को चारा खिलाया। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल का तिल के तेल से अभिषेक हुआ। भस्म आरती में भी तिल चढ़ाया गया और तिल के लड्डुओं का भोग लगा।

घर में लगी आग से परिवार के 6 लोगों की जलकर मौत

एजेंसी ▸▸ शिमला

हिमाचल प्रदेश में सोलन जिले के अर्की बाजार में हुए दर्दनाक हादसे के दो दिन बाद अब सिरमौर जिले से एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिला सिरमौर के नौहराधार क्षेत्र में बीती रात हुए भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई है। मृतकों में

तीन मासूम बच्चे भी शामिल हैं। इस हृदयविदारक हादसे से पूरा इलाका सदमे में है।

यह दर्दनाक घटना रेणुका विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत संगड़ाह उपमंडल की नौहराधार तहसील की ग्राम पंचायत घंडूरी के तलागना गांव में हुई। बुधवार बीती रात पटवार वृत्त घंडूरी, तहसील नौहराधार के अंतर्गत मोहन सिंह पुत्र रामदयाल के रिहायशी मकान में अचानक भीषण आग लग गई। घटना के समय मकान के भीतर कुल सात लोग मौजूद थे। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल पाया। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस हादसे में छह लोगों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाल लिया गया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान 42 वर्षीय लोकेंद्र, निवासी ग्राम खुमड़ा, तहसील चौपाल (जिला शिमला) के रूप में हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद लोकेंद्र को नौहराधार से सोलन अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

सिवनी जेल में बंद तीन कैदी भागे, मचा हड़कम्प

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सिवनी

प्रदेश के सिवनी जिला जेल में बंद तीन विचाराधीन कैदियों के बुधवार 14 जनवरी की शाम 20 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार होने के बाद जेल प्रशासन ने डूंडासिवनी थाने में मामले की एफआईआर दर्ज कराई है। विचाराधीन कैदियों के फरार होने से हड़कंप मच गया। हालांकि फरार कैदियों को परिजनों ने आज गुरुवार 15 जनवरी की सुबह वापस जेल प्रशासन के सुपुर्द कर दिया है।

बताया जाता है कि जिला जेल में पाक्सो एक्ट के तीन विचाराधीन कैदी बंद थे। तीनों कैदी मौका देखकर जेल से फरार हो गए। फरार कैदियों में दो कैदी लखनवाड़ा थाना क्षेत्र के निवासी हैं, जबकि एक कैदी गोंदिया जिले

का बताया जा रहा है। घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। फरार कैदियों की पहचान अंकित पुत्र श्रीवाल लखनवाड़ा, विशाल पुत्र ब्रह्मानंद लखनवाड़ा तथा विशाल पुत्र चिंदीलाल गोंदिया निवासी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों आरोपितों ने जेल परिसर की सुरक्षा के लिए बनी लगभग 20 फीट ऊंची दीवार पर एक दूसरे का सहारा लेकर फांद कर सुरक्षा घेरे से बाहर निकलकर बुधवार शाम लगभग 6 बजे फरार हो गए। जेल में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी पूरा घटनाक्रम कैद होने की बात सामने आई है। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी घटना के दौरान जेल में तैनात सुरक्षा कर्मियों को कोई भनक तक नहीं लगी। गिनती के दौरान तीन कैदियों की अनुपस्थिति मिलने पर पूरे जेल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जेल प्रशासन ने डुंडासिवनी थाने में एफआईआर दर्ज कराई। सूत्रों के अनुसार जेल प्रशासन ने फरार आरोपितों के परिजनों से संपर्क किया और उन्हें समझाइश दी गई।

इंदौर पहुंचे टीम इंडिया-न्यूजीलैंड के खिलाड़ी, एयरपोर्ट पर दिखे रोहित-विराट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भारत और न्यूजीलैंड की टीमें गुरुवार को इंदौर पहुंच गई हैं। एयरपोर्ट पर सबसे पहले रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल, केएल राहुल, मो. सिराज, कोच गौतम गंभीर भी पहुंचे। टीम के सभी खिलाड़ी एयरपोर्ट से सीधे होटल के लिए रवाना हुए।

दोनों टीमों के लिए अलग-अलग बसों का इंतजाम किया गया। इस बीच एयरपोर्ट और होटल में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हर आने-जाने वालों की चेकिंग की जा रही है। इस मुकाबले के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा भी इंदौर पहुंचे।

इसको लेकर दर्शकों में खासा उत्साह रहा। इंदौर में भारत और न्यूजीलैंड तीन मैचों की वनडे सीरीज का अंतिम मुकाबला खेलेंगी। दोनों टीमें 18 जनवरी को होलकर स्टेडियम में भिड़ेंगी।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ऑफिस और प्रतीक जैन के घर पर ईडी की छापेमारी पर विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को लगाई फटकार, ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर रोक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ऑफिस और प्रतीक जैन के घर पर ईडी की छापेमारी विवाद की गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष अदालत ने इस मामले को गंभीर मानते हुए ममता सरकार को राहत नहीं दी।

मामले की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच में कहा कि, हम नोटिस जारी कर रहे हैं, यह गंभीर मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हम इस मामले की सुनवाई करेंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि ये चिंता की बात है कि हाईकोर्ट को सुनवाई नहीं करने दी गई।

ममता सरकार को नोटिस, कहा- एजेंसी के काम में रुकावट न डालें, यह गंभीर चिंता की बात

ईडी ने की प्रमुख पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड करने की मांग

इसके साथ ही प्रदर्वतन निदेशालय ने इस मामले में सुनवाई से पहले सुप्रीम कोर्ट में एक और नई अर्जी दाखिल की। जिसमें जांच एजेंसी ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार को सस्पेंड करने की मांग की है। इसके साथ ही केंद्रीय एजेंसी ने अपनी अर्जी में पश्चिम बंगाल पुलिस के सीनियर अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी मांग की है। इस अर्जी में एजेंसी ने जांच के दौरान गलत व्यवहार और सहयोग न करने का भी आरोप लगाया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग और केंद्रीय गृह मंत्रालय से इस संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश देने की मांग की है।

जानें क्या है पूरा मामला?

दरअसल, 8 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता के साल्ट लेक में आई-पैक के दफ्तर और दक्षिण कोलकाता में लाउडन स्ट्रीट पर प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी की। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद मौके पर पहुंचीं। जहां से वे जरूरी फाइलें उठाकर अपने साथ ले गईं। इसके साथ ही जांच एजेंसी दावा किया कि इस दौरान सीएम ने जांच में रुकावट डाली, सबूत नष्ट किए और जरूरी डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों को छीन लिया। इसके साथ ही उन्होंने ईडी के अधिकारियों को धमकी भी दी।

बता दें कि केंद्रीय एजेंसी (ईडी) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बंगाल के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार, कोलकाता के पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार वर्मा और दक्षिण कोलकाता के डिप्टी कमिश्नर प्रियबत्रा रॉय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की है। बता दें कि इससे पहले बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी की ओर से दायर मामले को खारिज कर दिया।

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का बुधवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

कप्तान की चर्चा अन्य विभाग परिजनों में...

वर्दी वाले विभाग के कप्तान की चर्चा अब तो अन्य विभाग के कर्मियों एवं उनके परिजनों के बीच में होने लगी है। सीधे तौर पर कप्तान की नहीं उनके मानवीय संवेदनशील कार्यों की ये चर्चा है और इसीलिए अन्य विभागों के लंबित मामलों में अब उनका उदाहरण तक दिया जाने लगा है। वर्दी वाले विभाग में कप्तान कार्य को लेकर पुरी तरह संजीदगी रखते हैं और सख्ती से काम लेते हैं। उनके मातहत विभाग के छोटे से छोटे कर्मचारी को भी काम करना ही पडता है। खास बात यह है कि वर्दी वाले विभाग में कर्मचारियों की कमी का मामला लंबे समय से चल रहा है। वर्दी से आमजन की अपेक्षा को देखते हुए कप्तान बराबर उसके लिए विभागीय कर्मचारियों को काम को लेकर प्रोत्साहित करते हैं और काम नहीं करने वालों को दंडित भी करते हैं। वर्दी के कर्मचारियों एवं उनके परिवार के प्रति पूरी तरह से संवेदनशीलता भी रखते हैं। अनुकंपा नियुक्ति के मामलों हों या कर्मचारियों के भूगतान से संबंधित मामला या अन्य कोई तत्काल ही उसमें निराकरण करवाया जा रहा है। इसके विपरित अन्य विभागों में काम की स्थिति कमजोर है। कार्यालय 5 दिवसीय होने के बाद भी पुराने समय के बाद खुल रहे हैं। शाम को भी पुराने समय पर ही बंद हो जाते हैं। आमजन दो झ्चार चक्कर न काटे तब तक आवेदन को हवा ही नहीं मिलती है। विभागीय कर्मचारियों के अनुकंपा एवं अन्य मामलों में चक्कर पे चक्कर मिल रहे हैं। बाबूजी के सामने भीड लगी रहती है। साब सीधे ऐसे मामलों को सूनते नहीं हैं। खुसूर-फुसूर है कि वर्दी वाले विभाग में नारियल की तरह से उपर से सख्त एवं अंदर से नर्म वाले हाल हैं,जबकि अन्य विभागों में बैर की तरह का काम है उपर से नर्म अंदर से सख्त । वर्दी वाले कप्तान से अन्य विभागों के जिम्मेदारों को सीख लेने की जरूरत है कि काम के मामले में सख्त हों और संवेदनशीलता के मामले में पुरी तरह से साथ। यहीं कारण है कि अन्य विभागों के कर्मचारियों एवं उनके परेशान परिजनों में वर्दी वाले कप्तान के कार्यों की चर्चा आम है।

सदावल के पास से दुर्लभ उल्लू मिला, की चिकित्सा जांच

उज्जैन। बुधवार को सदावल में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास सुबह के समय में दुर्लभ उल्लु मिला है। इसी सूचना कुत्ता प्रेमी कु.सानिया ने वन विभाग को दी थी। रेस्क्यू दल ने स्थल पर जाकर उल्लू को पकडा और उसके उपरांत पशु चिकित्सक को दिखाया था। उल्लू को अभी वन विभाग के रेंज कार्यालय में रखा गया है,बाद में उसे जंगल में छोडा जाएगा।

कुत्ता प्रेमी ने वन विभाग के रेस्क्यू दल को दी सूचना

वन विभाग के प्रभारी रेंजर रेस्क्यू मदन मोरे ने बताया कि सूचना के आधार पर उल्लू को स्थल से लाया गया था। चिकित्सा जांच के उपरांत उसे रेंज कार्यालय में रखा गया है। अगले दिनों में उसे स्वस्थ्य होने पर उसे जंगल में छोडा जाएगा। पशु चिकित्सक डा.अरविंद मैथनिया के अनुसार यह कामन बार्न आउल था।यह वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के संशोधन सूची में शेड्यूल वन के पार्ट बी में शामिल है। इसका साइंटिफिक नाम टायटो अल्बा है। रेस्क्यू दल के प्रभारी मदन मोरे,उमेश वर्मा,राजेन्द्र चौहान,सोनू चौहान इसे लेकर आए थे। स्वास्थ्य परीक्षण में यह नर व्यस्क था। उल्लू पूरी तरह से स्वस्थ्य था। यह एक प्रकार की मध्यम आकार की प्रे बर्ड है। इनका भोजन चूहे, चिडिया,केचुए, कीट होते हैं।इनके देखने सूनने की क्षमता अद्भूत होती है।ये कम लाईट में भी आसानी से शिकार कर लेते हैं।

मकर सक्रांति पर षटतिला एकादशी के साथ अनुराधा नक्षत्र में सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग भी रहा, विशेष संयोग में धमार्लुजनों ने पुष्य स्नान किया और सूर्य को अर्ध्य दिया,दान,धर्म में बीता दिन

पुण्य फल प्राप्ति के लिए 23 साल बाद बने दुर्लभ योग में जमकर किया दान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

धर्मनगरी उज्जैन में सूर्य के उत्तरायण का पर्व मकर सक्रांति पर पुण्य फल की प्राप्ति के लिए धमार्लुजनों ने 23 साल बाद बने दुर्लभ योग में स्नान,दान कर पुण्य लाभ लिया है। वैसे तो सुबह से ही धमार्लुजन धर्म,ध्यान,दान में रम गए थे लेकिन दोपहर में विशेष योगों के तहत पुण्य सलिला शिप्रा में धमार्लुजनों ने स्नान करने के उपरांत अपने धर्म कर्म को अंजाम दिया है। शहर में अनेक स्थानों पर गो ग्रास भी इस दौरान डाला गया।

सनातन धर्म में मकर संक्रांति का पर्व अत्यंत पावन और विशेष महत्व रखता है। इस वर्ष इस पर्व पर षटतिला एकादशी के साथ दुर्लभ संयोग भी बन रहा है। करीब 23 वर्षों बाद इस दिन दुर्लभ ग्रह योगों का संयोग रहा है। षटतिला एकादशी के साथ-साथ अनुराधा नक्षत्र में सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग भी रहा । जिसका पुण्य लाभ धमार्लुजनों ने लिया।

महाकाल सहित सभी मंदिरों में उमडे श्रद्धालु

मकर सक्रांति सूर्य उत्तरायण पर्व पर सुबह से ही शहर के प्रमुख मंदिरों के साथ ही अन्य क्षेत्रीय मंदिरों में भगवान के दर्शनों के लिए श्रद्धालु उमडते रहे। मोहल्ले के मंदिरों में भी आसपास के श्रद्धालुओं की भीड रही। इसी दौरान मंदिर में खाद्य सामग्री का दान भी चढता रहा। मुख्य रूप से दिन भर घरों में बनने वाले तिल गुड के लड्डूओं एवं पपडी का भोग भगवान को लगाया जाता रहा ।

पतंगों से सजे मंदिर

मकर सक्रांति को लेकर मंदिरों में विशेष सजावट की गई थी। प्रमुख मंदिरों में श्री चामुंडा माता मंदिर ,दशभूजा गणेश मंदिर श्मशान पर विशेष रूप से मंदिर एवं भगवान को पतंगों से सजाया गया था। इस दौरान मंदिर के गर्भगृहों में विशेष चमकीली एवं रंग बिरंगी पतंगों को आकर्षक रूप से सजाया गया। इसके अलावा भी कई मंदिरों में पतंगों से सजावट की गई थी।

ऐसे रहा ग्रहों का योग

मकर संक्रांति का धार्मिक, सांस्कृतिक और खगोलीय महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि, इसी दिन सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, इसे सूर्य का उत्तरायण होना कहा जाता है। इसके साथ ही खरमास का समापन होता है और शुभ व मांगलिक कार्यों की शुरूआत मानी जाती है। मकर सक्रांति के एक दिन पूर्व शुक्र देव ने राशि बदलकर मकर में प्रवेश किया। मकर संक्रांति के दिन सूर्य मकर राशि में होंगे। शनि मीन राशि में, गुरु मिथुन राशि में स्थित रहेंगे और मकर संक्रमण के अगले दिन मंगल, शुक्र और बुध भी मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इस प्रकार मकर राशि में चतुरगृही योग का निर्माण अत्यंत शुभ और प्रभाव शाली रहा है। मान्यता है कि विशेष योगों में सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर शनि से संबंधित वस्तुओं का दान और सेवन करने से सूर्य देव के साथ-साथ शनिदेव की भी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

सूर्य आराधना एवं खगोलीय आराधना पर्व

धार्मिक दृष्टि से मकर संक्रति भगवान सूर्य की उपासना का विशेष पर्व है। इस दिन श्रद्धालु प्रातः काल पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य करते हैं और सूर्य देव को अर्ध्य अर्पित कर जीवन में तेज, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करते हैं। सांस्कृतिक रूप से यह पर्व नई फसल के आगमन और खुशहाली का प्रतीक है, वहीं खगोलीय दृष्टि से इस दिन सूर्य की स्थिति में परिवर्तन होता है, जिससे दिन धरि-धीरे बड़े और रातें छोटी होने लगती है।

दोपहर से हुई जमकर शुरूआत

बुधवार को मकर सक्रांति पर्व की दोपहर से जमकर शुरूआत हुई। सुबह के समय धमार्लुजनों ने नित्य की भांति ही अपने धर्म कर्म किए। इसे लेकर ज्योतिषियों के बताए अनुसार धमार्लुजनों ने पालन किया। दोपहर 3 बजकर 13 मिनट पर सूर्य ने धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश किया उसके उपरांत ही मकर सक्रांति का धर्म,ध्यान और स्नान मूल रूप से किया गया। पंचांगों में मकर संक्राति का पुण्यकाल दोपहर 02.49 बजे से शाम 05.45 बजे तक हेड, जबकि महा-पुण्य काल दोपहर 02.49 बजे से 03. 42 बजे तक माना गया था। ऐसे में मान्यताओं का पालन करते हुए धमार्लुजनों ने इस समयकाल में स्नान, दान और जप का कई गुना फल प्राप्त किया। इस दौरान शिप्रा के घाटों पर स्नान करने के लिए श्रद्धालु पहुंचे थे। वैसे तो सुबह से ही स्नान का क्रम शिप्रा में चलता रहा। दोपहर में कुछ देर के लिए यह बढ गया था। घाटों पर स्नान के उपरांत कई धमार्लुजनों ने अपना जनेऊ भी बदला।

दान में उदार रहे हाथ

शहर में देखने में आया कि सुबह से ही धमार्लुजनों ने दान में विशेष उदारता दिखाई। कहीं कोई खिचडी बाटता दिखाई दिया तो कहीं पर ऊनी कपडे,भोजन बांटता दिखाई दिया। मंदिरों में सूखा अनाज भी दान में दिया गया। गौशालाओं में हरा घास डालने वालों की संख्या भी अधिक थी तो शहर में अनेक स्थानों पर गाय को घास डाला गया था।

पतंगबाजों का अपना मजा रहा

सनातन पर्व मकर सक्रांति पर धार्मिक रूप से पतंग उडाने का भी महत्व बताया गया है। ऐसे में शहर भर में जमकर पतंगबाजों का मजा देखा गया। पतंगबाजों ने एक दिन पूर्व से ही पतंग एवं डोर की तैयारी कर ली थी। सुबह प्रथम दौर से ही मकान की छतों एवं मैदानों में पहुंचकर पतंगबाजों ने आसमान में अपनी पतंगों को उंचा उडाया और दुसरी पतंगों के पेंच काटने में लगे रहे। दिन भर युवाओं की टोलियां घरों की छतों से काटा हैङ्कजैसी आवाजें लगाते रहे। इसके साथ ही छतों पर संगीत के बीच युवाओं के डांस का क्रम भी देखा गया।

लाल, हरी, नीली और पीली पतंगो ने भरी उड़ान, आसमां रंग-बिरंगी पतंगों से अटा दिखा, वो काटा...वो मारा...की आवाजें दिनभर सुनाई दी, पतंगबाजी के साथ ही डीजे और ढोल की थाप पर युवा थिरके

रंग-बिरंगी पतंगों ने आसमान में भरी उड़ान, काटे एक-दूसरे के पेंच

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बुधवार को आसमां रंग-बिरंगी पतंगों से अटा दिखा। लोगों के घर की छत पर काटा है की आवाज दिनभर गूंजती रही। फिल्मी गानों पर झूमते हुए युवा पतंगबाजी का लुत्फ उठाते रहे,खूब पेंच लड़ाए गए वो काटा ...,वो गया की... आवाज गूंजती रही। बच्चों व युवाओं के साथ ही बड़े-बुजुर्ग भी पतंगबाजी करते देखे गए। छतों पर डीजे का शोर देर शाम तक सुनाई देता रहा जो दिन ढलने के बाद ही बंद हुआ।

शहर में पतंगबाजी को लेकर तडके से ही खासा उत्साह था। बच्चों और युवाओं को इस दिन का खासा इंतजार रहता है तथा दो-तीन दिन पहले से ही वह तैयारी कर लेते हैं। सूरज उगने से पहले शुरू हुई आसमान छूने की होड़ सूरज ढलने के बाद तक जारी रही। शहर की हर छत पतंगबाजों से अटी रही।

रंग-बिरंगी पतंगों का दिखा राज

कटी पतंग लूटने वालों में भी खासी होड़ रही। कई युवक तो जान की परवाह किए बगैर सडकों पर यहां-वहां दौड़ते रहे। शहर की छतों से सूर्योदय से सूर्यास्त तक आसमान में परिंदों की जगह रंग बिरंगी पतंगों का राज रहा। अंधेरा होते ही लालटेन वाली पतंग आसमा में नजर आई। चाइना डोर की बिक्री ना हो इसके लिए भी पुलिस प्रशासन ने अभियान शुरू कर दिया था और सतत नजर रखे हुए थे खास बात यह रही कि इस बार पतंग बाजार में कुछ हद तक चाइना डोर की चोरी छुपे बिक्री पर प्रशासन रोक लगाने में कामयाब हुआ है। इस कारण पतंग उड़ाने में चाइना डोर का इस्तेमाल ना के बराबर हुआ।

खेलो एमपी टेबल टेनिस स्पर्धा में आरव और वंशिका प्रथम रहे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

19 वर्ष आयु वर्ग की ब्लॉक स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स टेबल टेनिस स्पर्धा का आज बहुद्देशीय खेल परिसर नानाखेड़ा स्टेडियम में सफल आयोजन किया गया।

स्पर्धा में बालक एवं बालिका वर्ग के युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

बालक वर्ग में सिर्फ 10 वर्ष के प्रतिभावान खिलाड़ी आरव जैन ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि बालिका वर्ग में वंशिका मोतियानी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पहला स्थान हासिल किया।

उज्जैन जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया की ब्लॉक स्तर से चयनित सभी खिलाड़ी आगामी 17 जनवरी को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय स्पर्धा में भाग लेंगे।

आज की प्रतियोगिता से पांच बालक और पांच बालिकाओं का चयन किया गया है।

चयनित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है

बालक वर्गः • प्रथमः आरव जैन • **द्वितीयः** सागर भीरोडे • **तृतीयः** लक्ष्य बडोदिया • **चतुर्थः** गर्वित तिवारी • **पंचमः** निधिश तिवारी

बालिका वर्गः • प्रथमः वंशिका मोतियानी • **द्वितीयः** मेघा भदावाले • **तृतीयः** शगुन भीरोडे • **चतुर्थः** नव्या जैन • **पंचमः** नित्या जैन

स्पर्धा के मुख्य निर्णायक उज्जैन जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव सतीश मेहता रहे।

इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी ओ पी हारोड संस्था अध्यक्ष एस पी झा, नरेंद्र श्रीवास्तव, अंकुर जैन, अनिल निकम, हिमांशु जैन एवं मेघा सरवटे विशेष रूप से उपस्थित थे।

इनोवेटिव टीचिंग से विषय को बनाया सरल, भूगोल के प्रति पैदा किया आकर्षण

पं राहुल शुक्ल ▸▸ उज्जैन

शहर के एक विद्यालय मे भूगोल जैसे क्लिष्ट व कठिन विषय के प्रति विद्यार्थियों की रूचि व रूझान देखने काबिल है। इस विद्यालय मे दसवी के बाद विषय चयन मे विद्यार्थी जब कला विषय को चुनने मे अपनी रूचि दिखाते हैं तो अचरज होना लाजिमी है। कला संकाय मे भी भूगोल जैसे गूढ व क्लिष्ट विषय की तरफ आकर्षण और ज्यादा हैरत पैदा करता है। ये ऐसे ही नहीं हुआ दरअसल इस परिवर्तन के पीछे एक शिक्षक का जुनून रहा जो विगत कुछ वर्षों से विद्यालय के छात्र छात्राओ को उचित परामर्श के साथ विषय चयन मे सहायक हैं और साथ ही भूगोल को समझाने मे चार्ट व मॉडल्स का भरपूर उपयोग करते हैं।

कमरे को बना दी प्रयोगशाला

शहर के माधवनगर उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक निरंजन बेलिया सिमित संसाधनों के बीच भूगोल की अलख जगाए हुए हैं। भूगोल लेबोरेटरी के लिए बडा हाल न मिल पाने की दशा मे उन्होने एक क्लासरूम को ही भूगोल की प्रयोगशाला बना दिया और पूरी लगन से इस विषय की बारीकियों को समझाने मे सतत लगे रहे। क्लासरूम मे कंटूर रेखाओं, विश्व व भारत के नक्शे लगाकर विद्यार्थियों को नक्शे के द्वारा समझाना उनका एक तरीका है। इस तरीके से पढाने पर उत्साहजनक परिणाम भी मिले और विगत वर्ष दसवी उत्तीर्ण होने पर ,विषय चयन के दौरान छात्रों का सर्वाधिक आकर्षण भूगोल के प्रति रहा।

मैप रीडिंग व माडल्स बने आकर्षण

इनोवेटिव शिक्षक निरंजन ने भूगोल को सरल बनाने के लिए कई माडल्स अपनी लैब मे रखे और माडल्स की मदद से वे दुनिया के नक्शे पर भारत की स्थिति, अन्य देशों की स्थिति समझाते हैं। इसके अलावा वे एक निश्चित समय पर दुनिया के अलग अलग देशों की घड़ियां क्या समय बता रही हैं इसको निकालना भी सिखाते हैं।निरंजन ने एक चर्चा मे बताया कि टाइम जोन माडल के ऊपर अंकित देशांतर रेखाओं की सहायता से विभिन्न देशों का समय ज्ञात किया जा सकता है। उन्होने माडल पर बताया कि यदि भारत मे दिल्ली का समय दोपहर दो बजे चल रहा है तो इसी वक्त मैक्सिको सिटी का समय रात्रि तीन बजे है।

पृथ्वी की विभिन्न लेयर

पृथ्वी के थ्री डायमेंशन माडल से विद्यार्थी पृथ्वी की तीनो लेयर --- कोर , मेंटल व क्रस्ट को सरलता से समझ लेते हैं।इसके अलावा गति संकेतक यंत्र द्वारा विद्यार्थी वायु की रफ्तार निकालना भी सीख गये हैं। निरंजन के इनोवेटिव टीचिंग प्रयोग से आज विद्यालय की कक्षा ग्यारहवी मे 85 छात्र व बारहवी मे 57 छात्र हैं जो भूगोल के प्रति विद्यार्थियों के आकर्षण का बडा प्रमाण है।

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

नं. 1 क्षेत्रीय अख़बार

आस्था की डुबकी के साथ हुआ मकर संक्रांति का स्नान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मकर संक्रांति का पावन पर्व उज्जैन में आज श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। कल के बाद आज भी शिप्रा नदी के घाटों पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही रामघाट, दत्त अखाड़ा घाट सहित अन्य स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने शिप्रा नदी में पवित्र स्नान कर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस दौरान रामघाट के पुजारी ने बताया कि मकर संक्रांति के अवसर पर शिप्रा स्नान का

विशेष महत्व है, जिसे लेकर दूर-दराज से भी श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। पावन स्नान को लेकर प्रशासन और नगर निगम द्वारा घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और होमगार्ड के जवान भी तैनात रहे, जिससे स्नान शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ। घाट क्षेत्र में पूरे दिन भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। श्रद्धालु जयकारों के साथ पर्व की खुशियां मनाते नजर आए। वहीं दूसरी ओर शहर में पतंगबाजी का भी खास उत्साह देखने को मिला, जहां सुबह से ही पतंग प्रेमी छतों पर चढ़कर पतंग उड़ाते दिखाई दिए। मकर संक्रांति के इस पर्व ने शहर को धार्मिक आस्था और लोक उत्सव के रंग में रंग दिया।

सर्वार्थ सिद्धि योग

इस वर्ष मकर संक्रांति पर सर्वार्थ सिद्धि योग है। साथ ही अश्विनी और अनुराधा नक्षत्र का प्रभाव है। विशेष बात यह है कि सूर्य के साथ-साथ मंगल, बुध और शुक्र का भी कुछ ही दिनों में राशि परिवर्तन होगा, जिससे यह संक्रांति और अधिक फलदायी मानी जा रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चावल को देव अन्न माना गया है, जबकि मूंग इस ऋतु की पहली फसल होती है। तिल दान को उन्नति, समृद्धि और सुख-शांति से जोड़ा गया है।ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, जिन लोगों पर शनि की साढ़ेसाती, ढैया या पितृ दोष का प्रभाव है, वे तांबे के कलश में काले तिल भरकर, उस पर स्वर्ण रखकर वैदिक ब्राह्मण को दान किया। इससे कार्यों में प्रगति और पारिवारिक संबंधों में सुधार होता है।

ई-बस डिपो, 4 मार्गों के चौड़ीकरण सहित 7 प्रस्ताव को मिली मंजूरी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पीएम ई-बस योजना के तहत शहर में आने वाली 100 ई-बस के लिए आखिरकार डिपो के निर्माण की दर और स्थल को स्वीकृति मिल गई है, मंगलवार को महापौर मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में आयोजित मेयर इन काउंसिल की बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया। निर्माण कार्य को लेकर अन्य 6 प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। महापौर टटवाल ने कहा कार्य की प्रगति पर नियमित समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही सभी विभागीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि असुविधा न्यूनतम हो और परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हों।

न्यूज ब्रीफ

सीएम ने बोले- भोपाल की तरह उज्जैन में भी लगेगा वन मेला

उज्जैन। संक्राति पर्व से श्री महाकाल लोक में पांच दिवसीय महाकाल महोत्सव की शुरूआत हुई। आयोजन 18 जनवरी तक महाकाल महालोक एवं त्रिवेणी संग्रहालय में किया जा रहा है। पहले दिन सीएम डॉ. मोहन यादव ने महाकाल महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। डॉ. यादव ने शुभारंभ अवसर पर कहा कि मध्य प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग हैं। यहां कई लोक बन रहे हैं। उज्जैन में अब तक श्रावण महोत्सव होता था। गुड़ी पड़वा से हमने तीन महीने चलने वाला उत्सव शुरू किया, जिसमें इस बार भी वाहनों पर ग्वालियर की मेले की तरह छूट मिलती रहेगी। भोपाल में लगने वाला वन सम्पदा का वन मेला की तरह अब उज्जैन में भी वन मेला लगेगा। अगली बार 25 जनवरी को आऊंगा, उस दिन हरिफाटक ब्रिज को सिक्स लेन करने, स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, सिंहस्थ बायपास की रोड का भूमि पूजन सहित सुबह होने वाले राहगीरी कार्यक्रम में भी शामिल होऊंगा।

वीर माताओं-वयोवृद्ध पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया

इंदौर। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कॉलोनी में वेटरंस दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर जिले की वीर माताओं, द्वितीय विश्व युद्ध के सैनिकों की विधवाओं एवं वयोवृद्ध पूर्व सैनिकों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में अतिथियों द्वारा सशस्त्र सेना वेटेरन्स दिवस के बारे विस्तृत जानकारी दी एवं इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय ने बताया कि यह दिवस प्रथम कमांडर इन चीफ, फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा के सम्मान एवं उनकी यादगार सेवाओं की याद में मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि फील्ड मार्शल के एम करिअप्पा ने वर्ष 1947 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना का कुशल नेतृत्व किया था एवं देश को विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पौराणिक महत्व के आधार पर होगा नए घाटों का नामकरण

सिंहस्थ कुंभ के लिए बन रहे घाट के नाम धार्मिक व धर्मस्व विभाग तय करेगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

2028 सिंहस्थ कुंभ के लिए बनाए जा रहे नए घाट निर्माण के बाद उनका नामकरण किए जाने के निर्देश के बाद मंगलवार को हुई बैठक में किया जाएगा। सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने दिए हैं।

सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागृह में सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे विकास के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान मेला अधिकारी सिंह ने सभी निमार्णाधीन कार्यों की प्रोग्रेस रिपोर्ट अपडेट रखने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी गोपाल डाड, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नामकरण के लिए पौराणिक महत्व हो

जल संसाधन विभाग के सिंहस्थ डिवीजन ने जानकारी दी कि घाट निर्माण का कार्य लोअर और अपर स्टेज पर है। वहीं जानकारी दी गई कि श्री अंगारेश्वर मंदिर के सामने घाट निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। मेला अधिकारी सिंह ने निर्देश दिए कि जो भी नए घाट निर्माण हो रहे हैं उनके नाम रखने के लिए प्लानिंग की जाए। नए घाटों के नामकरण के लिए उनके पौराणिक महत्व के आधार पर हो। धार्मिक व धर्मस्व विभाग को सभी घाटों के महत्व और पौराणिक नामकरण करने के लिए निर्देशित किया है। सिंह ने कहा कि नए घाट पर प्रकाश व्यवस्था, चेंजिग रूम, वॉच टावर, घाट पर सूचना के लिए लाउडस्पीकर, आने-जाने के मार्ग का निर्धारण किया जाए।

मेला अधिकारी सिंह ने कहा कि जीआईएस के माध्यम से मेला क्षेत्र के सभी प्लाट की नंबरिंग की जाए, जिससे कहां कौन से अखाड़े का स्थान है और कहां क्या व्यवस्था रहेगी। इसका पूरे प्लान का ले आउट तैयार करने के निर्देश दिए।

मेडिकल कॉलेज के लिए बनेगा अंडरपास

मेला अधिकारी सिंह ने मेडिकल कॉलेज और हॉस्टल के बीच बनने वाले अंडरपास की जानकारी लेने पर बताया गया कि अंडरपास के लिए इस्टीमेट बनाया है। करीब 10 फीट चौड़े अंडरपास का निर्माण प्रस्तावित है। पुलिस हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री महाकाल महालोक में थाना निर्माण का कार्य प्रगतिरत है।

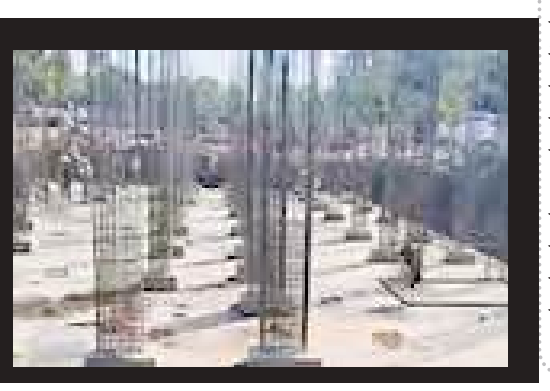

लापरवाही: पुरानी पाइप लाइन फूटी, तीन दिन से बह रहा हजारों गैलन पानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

फ्रीगंज ब्रिज के पास बन रहे नए ओवरब्रिज के लिए पोल गाड़ने को खोदे गए गड्ढे ने निर्माण एजेंसी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गड्ढा खोदते समय पुरानी डायरेक्ट पाइपलाइन फूट गई। इससे तीन दिन से हजारों गैलन पानी व्यर्थ बह रहा है।

सबसे बड़ी परेशानी यह है कि नगर निगम की पीएचई टीम और रेलवे अफसरों को जानकारी नहीं कि लाइन कहां से जुड़ी है और इसका वॉल कहां से बंद होगा। दोनों विभागों के कर्मचारी सुधार में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली। कर्मचारियों ने बताया कि यह पाइपलाइन करीब 60-70 साल पुरानी है। तब के कर्मचारी अब नहीं हैं। इस कारण इसकी कनेक्टिविटी की जानकारी किसी के पास नहीं है। लाइन करीब 7-8 फीट गहराई में है। पानी खाली करे बिना सुधार मुश्किल है।

ट्रैक्टर का इंजन लगाया फिर भी पानी खत्म नहीं हुआ

मरम्मत के लिए पानी में उतरकर मशक्कत कर रहे निगम पीएचई के कर्मचारियों ने बताया इस गड्ढे से पानी ही खत्म नहीं हो रहा, क्योंकि जो लाइन फूटी है, वह बड़ी लाइन है और 24 घंटे चालू रहती है। ट्रैक्टर का इंजन चालू कर गड्ढे का पानी खत्म करने का भी प्रयास किया, लेकिन पाइपलाइन से इतना ज्यादा पानी बाहर निकल रहा है कि इंजन से खाली नहीं हो सका।

वाहन मेले में मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में आयोजित वाले उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला 2026 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर उपभोक्ता को मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। ये निर्णय मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक लिया गया।

इसके अलावा इस बैठक में सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत उज्जैन शहर की जल आवर्धन योजना जिसकी लागत एक हजार 133 करोड़ 67 लाख रुपए है, की स्वीकृति भी प्रदान की गई हैं। गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों से उज्जैन में भी ग्वालियर की तर्ज पर वाहन मेले का आयोजन हो रहा है। इस मेले को लेकर उपभोक्ताओं को खासी रूचि रहती है। उपभोक्ताओं को इसमें अपने मन पसंद वाहन खरीदने का अवसर तो मिलता ही ही है कर में छूट का लाभ भी। ऐसे में उपभोक्ता अब इस मेले के आयोजित होने का इंतजार तर करने लगे हैं। स्थानीय के अलावा विभिन्न शहरों से लोग इसमें खरीदी के लिए आते हैं। संभवतः इस बार भी वाहन मेला मार्च में आयोजित होगा।

कार्तिक मेला ग्राउंड पर गणतंत्र दिवस का आयोजन

सीएम मोहन यादव करेंगे ध्वजारोहण, प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में पहली बार दशहरा मैदान की जगह कार्तिक मेला ग्राउंड पर होगा गणतंत्र दिवस का मुख्य आयोजन। रंगारंग कार्यक्रम के साथ ही परेड भी मेला ग्राउंड में आयोजित होगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ध्वजारोहण कर सकते है। 11 दिन बाद राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा। प्रति वर्ष दशहरा मैदान में मनाया जाने वाले कार्यक्रम के लिए तैयारी चल रही थी। जिसमे पुलिस स्काउट होमगार्ड और स्कूली बच्चे तैयारी में लगे थे। लेकिन गुरुवार

को भोपाल जाते समय सीएम ने अपनी मंशा अनुसार इस बार कार्यक्रम कार्तिक मेला ग्राउंड में करने की योजना पर काम करने को कहा।

सीएम की मंशा के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। अब प्रशासनिक अधिकारी आयोजन स्थल का निरीक्षण कर रिहर्सल कार्तिक मेला ग्राउंड में करने की बात कह रहे हैं । उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह ने बताया कि 26 जनवरी को होने वाला मुख्य आयोजन कार्तिक मेला ग्राउंड में होगा। जिसके लिए स्थल को देखा जा रहा है।

जिला अस्पताल में परेशानी : जिला अस्पताल की 10 में से 6 लिफ्ट बंद

टेंडर होने के बाद भी सुधार कार्य नहीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन संभाग के सबसे बड़े चरक भवन स्थित जिला अस्पताल में सभी लिफ्ट की खराब हालत मरीजों और परिजन के लिए बड़ी समस्या बन गई है। अस्पताल में कुल 10 लिफ्ट हैं, जिनमें से 4 ही चालू है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार लिफ्ट के सुधार के लिए सिविल और इलेक्ट्रिक दोनों कार्यों के टेंडर हो चुके हैं। सिविल कार्य के लिए 11 लाख और इलेक्ट्रिक के लिए 84 लाख की मंजूरी पहले

ही मिल चुकी है। हालांकि मरम्मत कार्य शुरू होने में देरी हो रही है।

भाजपा संगठन में केंद्र से लेकर प्रदेश तक व्यवस्था अब जिला स्तर पर अमल में आएगी

जिला कार्यालयों पर विधायक सुनेंगे कार्यकर्ता और आमजन की बात

जिला स्तर पर विधायकों की बैठक का मामला प्रक्रिया में,जल्द ही लागू होने की संभावना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

आगामी दिनों में भाजपा के जिला कार्यालयों पर साप्ताहिक रूप से जिले के विधायकों की बैठक का क्रम शुरू हो सकता है। विधायक जिला भाजपा कार्यालयों में बैठकर कार्यकताओं की सुनवाई करते हुए सक्रियता के साथ मामलों के निराकरण में अपनी भूमिका अदा करेंगे। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राजपालसिंह सिसौदिया बताते हैं कि अभी यह प्रक्रिया में है आगामी दिनों में यह जिला स्तर पर लागू होगा।

भाजपा संगठन ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और संगठन-सत्ता के बीच बेहतर

समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू की है। अब जिस तरह प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रतिदिन मंत्रियों की ड्यूटी लगाकर कार्यकर्ताओं की सुनवाई की जा रही है, उसी तर्ज पर जिला स्तर पर भी व्यवस्था लागू की जा रही है। बकौल श्री सिसौदिया पार्टी में केंद्रीय स्तर से लेकर प्रदेश तक यह व्यवस्था लागू हैं। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल कार्यकताओं के कामों की चिंता को लेते रहते हैं।

प्रदेश स्तर तर्ज पर व्यवस्था

बताया जा रहा है कि सोमवार से शुक्रवार तक भाजपा प्रदेश कार्यालय में दो मंत्री प्रतिदिन दोपहर एक से तीन बजे तक कार्यकताओं से संवाद कर रहे हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। मंत्री एक-एक कर सभी की बातें सुनते हैं और समाधान का प्रयास करते हैं। अब तक 22 मंत्री इस व्यवस्था के तहत कार्यकताओं से संवाद कर चुके हैं।

कार्यकर्ताओं की बात सीएम सूनेंगे

भाजपा संगठन के प्रक्रियाधीन इस कार्यक्रम की जानकारी लगने पर उज्जैन दक्षिण के कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव उज्जैन दक्षिण विधानसभा से विधायक होकर मुख्यमंत्री हैं। यही नहीं भाजपा संभागीय कार्यालय लोक शक्ति भी उनकी विधानसभा क्षेत्र में है। ऐसे में कार्यकर्ताओं एवं आमजन के लिए मुख्यमंत्री डा.यादव भी भाजपा कार्यालय में अपने आम कार्यकर्ताओं से सीधे मुखातिब होंगे।

जमीनी स्तर पर पकड़ अधिक मजबूत होगी

पार्टी सूत्रों के अनुसार पार्टी ने तय किया है कि जिला मुख्यालयों पर भाजपा विधायक नियमित रूप से पार्टी कार्यालय में बैठकर कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनेंगे और उनके निराकरण के लिए पहल करेंगे। इस व्यवस्था से कार्यकर्ताओं को सीधे जनप्रतिनिधियों तक पहुंच मिलेगी और संगठन की पकड़ जमीनी स्तर पर और मजबूत होगी। भाजपा ने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे सप्ताह में अवकाश के दिनों को छोड़कर शेष दिनों के लिए जिले के विधायकों का पार्टी जिला कार्यालय में बैठने का कार्यक्रम तय करें। किस दिन और किस समय कौन विधायक कार्यकर्ताओं से मिलेंगे, इसकी जानकारी पहले से सार्वजनिक की जाएगी। इस कार्यक्रम का मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने किये विभिन्न आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला इंदौर अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान समस्त विकासखंड एवं संकुल मुख्यालय पर लखपति दीदी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन में आए परिवर्तन व आजीविका में आयी वृद्धि के बारे में जानकारी दी। साथ ही सभी समूह सदस्यों, जनप्रतिनिधियों को अपने हौसलों की उड़ान के बारे में अवगत कराया।

अपने उत्थान का पर्व

भीष्म पितामह ने बाणों की शय्या पर लेटे-लेटे उत्तरायण के इसी दिन की प्रतीक्षा की थी, क्योंकि उत्तरायण को श्रेष्ठ माना गया है। इसे देवत्व प्राप्ति कराने वाला सात्विक काल माना गया है। इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त भीष्म चाहते थे कि उनकी अंतिम श्वास तभी निकले, जब सूर्य उत्तरायण हो, इसलिए हम इस दिन को तपस्या का चिह्न मानते हैं। रोज सुबह चाहे उठो या न उठो, पर ऐसे विशेष पर्व पर ब्रह्ममुहूर्त में अवश्य जागना चाहिए। मकर संक्रांति का जो आध्यात्मिक पक्ष है, उसे अब हम समाज और शरीर से जोड़कर देखते हैं। अगर आप इस दिन सूर्य की साधना करेंगे, दान करेंगे, तो ऐसा माना जाता है कि आप अपने तन के साथ-साथ आध्यात्मिक उपलब्धि और सामाजिक क्षेत्र को बलवान करने का उपाय करते हैं। मकर शनि की राशि है। अगर हम इसे अध्यात्म की दृष्टि से देखें, तो शनि नाम है तपस्या का, त्याग का, खोज का, संन्यास का और वीतराग का। जिनको इनकी समझ नहीं है, उनको शनि खराब लगते हैं, लेकिन धर्म और अध्यात्म की दृष्टि से शनि बहुत उत्तम हैं। तुम्हारे द्वारा किए गए कर्म के कारण शनि तुम्हें दंड देते हैं और तुम्हारे द्वारा किए गए पुण्य-कर्म शनि देवता की शक्ति बनकर तुम्हें सुदृढ़ कर देते हैं। पौराणिक उदाहरणों के मुताबिक, शनि देव भगवान शिव और श्रीकृष्ण के भक्त हैं। इसका मतलब शिव और श्रीकृष्ण दोनों के ही भक्त शनि से सुरक्षित हो जाते हैं। सूर्य जब मकर राशि में प्रवेश करता है, तो उस प्रवेश से वातावरण में जो तरंगें उत्पन्न होती हैं, वे सृष्टि में जहां-जहां भी जल है, उस जलराशि में अपना काम करती हैं। मनुष्य के शरीर में 70 प्रतिशत जल है। शरीर जब तक सजीव है, तब तक उसमें 70 प्रतिशत जल रहता है। इसलिए देव नदियों में तुम्हें स्नान करना चाहिए। अगर तुम कहते हो कि सूर्य का हमसे कोई लेना-देना नहीं है, तो तुम भूल में हो। विश्व की तमाम पुरानी संस्कृतियों में सूर्य को उपासना का केंद्र बनाया गया है। रोम, मेक्सिको और भारत से जुड़े हुए पड़ोसी देशों में भी सूर्य की पूजा होती है। वहां सूर्य की मूर्तियां चिह्न रूप में पूजी जाती हैं। अंतर बस इतना है कि भारत के मनीषियों ने सूर्य को खोज का विषय बनाया। सूर्य की हर गति का प्रभाव सीधे तौर पर धरती के सभी जीवों पर पड़ता है। पुराण और ज्योतिष की दृष्टि से मकर संक्रांति का बहुत महत्व है। संक्रांति मतलब क्रांति, यानी बदलाव। आप अपने मन को संक्रांत करिए, मतलब स्वयं को बदलिए। शरीर रोगी है, तो उसे रोग से मुक्त करने का संकल्प करें। अपने उत्थान के लिए अपने आपको श्रेष्ठ बनाने के लिए प्रयत्न करना आवश्यक है। इसके लिए मकर संक्रांति से उत्तम अवसर और कोई दूसरा हो ही नहीं सकता।

सम्पादकीय

चढ़ते सोना-चांदी

स्वर्ण और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी थमने का नाम नहीं ले रही है। दो साल पहले जनवरी में ही स्वर्ण की कीमत 64 हजार रुपये तोला थी, आज यह एक लाख चालीस हजार रुपये के पार चढ़ती चली जा रही है। चांदी की कीमत भी दो साल के समय में 77 हजार रुपये से दो लाख नब्बे हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। वैसे, तो सोने और चांदी के भाव का बढ़ना कोई अचंभा नहीं है, पर जितनी तेजी से दाम बढ़ रहे हैं, उससे चिंता वाजिब है। पहली नजर में, सोना और चांदी को निवेश के लिए स्वर्ग माना जाता है। पिछले सप्ताह भारत में सोने की कीमत में तेजी से वृद्धि हुई और यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। सिर्फ पांच दिन में 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 51,500 रुपये प्रति 100 ग्राम बढ़ गई है। मकर संक्रांति के अवसर पर आभूषणों की मांग ने भारत में सोने की कीमतों को सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा दिया है। वैश्विक स्तर पर अगर देखें, तो डॉलर की मजबूती और जगह-जगह युद्ध के हालात से भी सोने की मांग को मजबूती मिल रही है।

चांदी की कीमत बढ़ने के पीछे के कारण कुछ अलग भी हैं। यह सर्वविदित है कि उसका औद्योगिक इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। उसकी मांग ज्यादा है और आपूर्ति कम, अतः उसकी कीमतों में इन दिनों हम ज्यादा तेज बढ़ोतरी देख रहे हैं। चांदी की कीमत तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच रही है। चांदी को पहले आम लोगों के लिए उपयोगी धातु के रूप में माना जाता था, लेकिन उसकी कीमतों का बढ़ना पूरे समाज के लिए चिंता की बात है। कोई संदेह नहीं है कि चांदी की कीमतों को महंगाई से जोड़कर देखा जाएगा। व्रतों-उत्सवों पर चांदी के जेवरों का आदान-प्रदान सबसे सहज ढंग से होता है, लेकिन अगर चांदी की कीमतों में यही तेजी बनी रही, तो इससे ज्यादातर लोगों की सामाजिकता भी प्रभावित होगी। शादी व अन्य संस्कारों का खर्च बहुत बढ़ जाएगा। पचास ग्राम वजन की एक जोड़ी पायल भी अब 15 हजार रुपये से कम में नहीं मिलेगी। क्या सरकार इस मोर्चे पर कुछ कर सकती है? क्या आज के दौर में धातु के भाव को नियंत्रित किया जा सकता है? अगर भाव को नियम बनाकर तय करने की कोशिश नहीं होगी, तो सोने-चांदी की जमाखोरी और कालाबाजारी को बढ़ने से कैसे रोका जाएगा? एक उदारीकृत अर्थव्यवस्था में फिलहाल यही कहा जा सकता है कि सोने और चांदी को बाजार भरोसे ही छोड़ दिया जाए।

ममता की राजनीति

अमित शाह पर आरोप लगाकर बचने की कोशिश में दीदी ?

डॉ. हरिकृष्ण बडोदिया
(दैनिक अवन्तिका)

सच्चाई तो यह है की वोटों की राजनीति आज की बहुत बड़ी हकीकत है। देश का हर एक राजनीतिक दल सत्ता के ख्वाब देख रहा है लेकिन स्थिति 10 साल पहले जैसी नहीं है। वोटरों की सोच बदल रही है। समुदायों का नजरिया बदल रहा है। राष्ट्रवाद बढ़ रहा है। धर्म आधारित राजनीति लोकतंत्र की पटरी पर दौड़ रही है। राजनीतिक दलों की सोच बदल रही है, नीतियां बदल रही हैं, लक्ष्य बदल रहे हैं और जो नहीं बदल रहे वे वैसाखियों पर घिसट रहे हैं। जब देश के बहुसंख्यक हिंदुओं में आत्म गौरव का संचार हो रहा है तब विपक्षी दलों का मुस्लिम तुष्टिकरण करना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही है। एक तरफ देश में हिंदुओं का भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण हो रहा है तो दूसरी तरफ मुस्लिम तबका भी एकजुट होता दिखाई दे रहा है। हिंदुओं का ध्रुवीकरण और एकीकरण जहां एक ओर भाजपा और हिंदूवादी सांस्कृतिक संगठन आरएसएस कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर एआईएमआईएम के असुद्दीन ओवेशी अपनी धारदार तकरीरों से मुसलमानों को राजनीतिक शक्ति बनने के लिए प्रोत्साहित करते हुए अपने पक्ष में ध्रुवीकरण करने के लिए प्रयत्नशील हैं। भारतीय राजनीति में सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस की स्थिति बहुत दयनीय होती जा रही है। आज की स्थिति में उसे ना तो हिंदुओं का साथ मिल रहा है और ना ही मुसलमानों का। यदि ऐसा नहीं होता तो बिहार में 61 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद 6 से अधिक सीटों पर जीत मिलती। निश्चित ही यह स्थिति स्पष्ट करती है कि कांग्रेस के हाथ से जहां हिंदुओं का साथ छूट रहा है वहीं मुसलमानों का भी छूट रहा है। हिंदू जहां एक ओर भाजपा के पक्ष में एकजुट हो रहा है वहीं देश भर में मुसलमान ओवैसी और बंगाल में हुमायूं कबीर के पक्ष में एकजुट हो रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इतनी विकट स्थिति के बाद भी कांग्रेस मुसलमानों को अपने पक्ष में ही मानकर चल रही है। यही कारण है कि कांग्रेस के नेता कहते हैं कि कांग्रेस मुसलमानों की पार्टी है। मुसलमानों की इज्जत कांग्रेस की वजह से है। कांग्रेस का मतलब मुसलमान और मुसलमान का मतलब कांग्रेस है। इस सबके बावजूद मुसलमान कांग्रेस से दूरी बनाता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस ऐसी पार्टी है जिसने अपने विभाजन से कई कांग्रेस बनाई हैं। उनमें से एक पश्चिम बंगाल में ममता दीदी की तृणमूल कांग्रेस है। पिछले तीन लगातार विधानसभा कार्यकालों से दीदी राज्य की मुख्यमंत्री हैं। वे एक चतुर राजनेता हैं इसमें कोई शक नहीं। यदि ऐसा नहीं होता तो उनका राजनीतिक जीवन इतना प्रभावशाली नहीं होता कि वह सात बार देश की सांसद रहतीं। 2011 में जब उन्होंने पश्चिम बंगाल राज्य विधानसभा में मां मानुस माटी का नारा देकर 34 साल के वामपंथी राज को उखाड़ फेंका था तब किसी ने नहीं सोचा था कि दीदी न केवल बंगाल के मुसलमानों की हद दर्जे की रहनुमा बन जाएंगी बल्कि मुसलमानों को दूसरे देशों से आयात कर पश्चिम बंगाल की डेमोग्राफी को बदल देंगी। आज उन पर जो आरोप लग रहे हैं वे स्पष्ट करते हैं कि दीदी ने बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं को अपना वोट बैंक बनाने के लिए राष्ट्र विरोधी काम किया। यही कारण है कि ममता बनर्जी की जो लोकप्रियता 2011 में रही उसमें 2016 में भले ही ज्यादा कमी नहीं आई लेकिन 2021 आते-आते उसमें उल्लेखनीय गिरावट देखी गई। यदि ऐसा ना होता तो भाजपा 2019 में 18 लोकसभा सीटें नहीं जीत पाती तो वहीं विधानसभा में 2016 में उसकी तीन सीटों से वह 2021 में 77 का आंकड़ा पार नहीं कर पाती। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन 2019 जैसा नहीं रहा और उसे लोकसभा की मात्र 12 सीटों पर संतोष करना पड़ा किंतु इसमें कोई दो राय नहीं कि 2019 के लोकसभा और 2021 के विधानसभा चुनावों में उसने अपने पैर राज्य में मजबूती से जमाए। यह एक स्थापित तथ्य है कि दीदी रक्त रंजित राजनीति से परहेज नहीं करतीं। जिस पैटर्न पर वामपंथियों ने 34 साल राज्य पर शासन किया कमोबेश उसी पैटर्न पर ममता ने अब तक 15 साल राज्य पर शासन किया। यदि ऐसा नहीं होता तो राज्य में हर छोटे बड़े चुनाव में राजनीतिक हत्याओं का ग्राफ ऊपर की ओर नहीं होता। ममता आज भी इससे परहेज नहीं करेंगी क्योंकि राज्य की राजनीति बांग्लादेश की घटनाओं से प्रभावित होती देखी जा रही है। इस वर्ष मार्च-अप्रैल में होने वाले चुनाव ममता बनर्जी के लिए पिछले तीन चुनावों से ज्यादा कठिन और जीत की दृष्टि से संदेहास्पद दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि ममता बनर्जी का व्यवहार बहुत असंतुलित और सामान्य आक्रामकता से गंभीर आक्रमकता की ओर बढ़ता जा रहा है। ममता बनर्जी डरी हुई दिखाई दे रही हैं। बांग्लादेश में जिस तरह हिंदुओं का नरसंहार हुआ है उससे राज्य में हिंदुओं के बीच एकजुटता बढ़ी है। राज्य में बांग्लादेशी हिंदुओं के पक्ष में होने वाले प्रोटेस्ट इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि यदि खून खराब ना हुआ तो ममता बनर्जी का चुनाव जीतना मुश्किल है। दूसरी ओर चुनाव आयोग द्वारा चलाई जा रही मतदाता सूची की स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन (एसआईआर) ने भी ममता को चिंता ग्रस्त किया है। जिसका वे निरंतर विरोध कर रही हैं। लगातार जारी इस प्रक्रिया का असर यह स्पष्ट कर रहा है कि पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठियों की संख्या बहुत अधिक है और कानूनी कार्रवाई के डर से वे स्वतः ही राज्य की सीमा से बाहर जाते देखे जा रहे हैं। ममता बनर्जी वर्तमान में इस कदर बौखलाई हुईं हैं कि संवैधानिक पद पर होते हुए भी असंवैधानिक कृत्य करने से नहीं चूक रहीं। 8 जनवरी को प्राइवेट संस्था कढअउ पर ईडी की छापेमारी की कार्रवाई में जिस तरह उन्होंने रुकावट डाली वह उनकी हताशा और चुनाव में हारने के डर को व्यक्त कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने ना तो तृणमूल के कार्यालय और ना ममता के निजी ठिकानों पर ही कार्रवाई की थी। उसने प्राइवेट पॉलिटिकल कंसल्टेंसी आईपैक के ऑफिस और उसके निदेशक प्रतीक जैन के ठिकानों पर कार्रवाई की किंतु ममता बनर्जी को पता नहीं कौन सा डर था कि वह हवाई चप्पल में बदहवास होकर दौड़ती हुई छापा स्थल गई और वहां से एक आईफोन और हरे रंग की फाइल कब्जे में लेकर बाहर आईं। एक मुख्यमंत्री का यह कृत्य किसी भी दशा में न केवल शासकीय जांच एजेंसी की कार्रवाई में बाधा है बल्कि आपराधिक कृत्य है।

पहियों पर सवार

शहर के मुख्य चौराहे पर नैतिकता उस समय 'ट्रैफि क जाम' में फँसकर दम तोड़ने लगी, जब 'विराज खन्ना' की महँगी काली एसयूवी ने नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए गलत दिशा से प्रवेश किया। विराज उस 'ईगो-सवारी' प्रजाति का सिरमौर था, जिसके लिए सड़क के नियम केवल उन 'बेवकूफों' के लिए बने थे जिनके पास पहुँच और रसूख की कमी थी। जैसे ही ट्रैफि क लाइट लाल हुई, विराज की नैतिकता का पारा गिर गया और उसके पैर ने एक्सीलरेटर को कस दिया। उसके लिए लाल बत्ती रुकने का इशारा नहीं, बल्कि उसकी 'स्पीड' को रोकने की एक सरकारी साज़िश थी। 'अंधेर नगरी चौपट राजा' वाली लोकोक्ति यहाँ चरितार्थ हो रही थी, जहाँ विराज खुद को सड़क का अघोषित सुल्तान समझ रहा था। महँगी गाड़ी के काले शीशों के पीछे बैठा वह व्यक्ति समाज से इतना कट चुका था कि उसे बाहर खड़ी आम जनता केवल 'कीड़े-मकौड़े' नजर आ रही थी। पतन का सबसे वीभत्स बिंब तब उभरा जब पीछे से एक एम्बुलेंस के सायरन की चीख सुनाई दी। उस सायरन की आवाज में एक मरते हुए इंसान की आखिरी उम्मीद थी, जो ज़िंदगी और मौत के बीच झूल रहा था। मगर विराज खन्ना के कानों पर उसके 'ईगो' का ऐसा हैडफोन लगा था कि उसे केवल अपनी गाड़ी का महँगा म्यूज़िक सिस्टम सुनाई दे रहा था। 'अपनी गली में कुत्ता भी शेर होता है' वाली कहावत को उसने हाईवे पर चरितार्थ कर दिया था। उसने एम्बुलेंस को रास्ता देने के बजाय अपनी गाड़ी को और बीच में अड़ा दिया, ताकि कोई उसे 'ओवरटेक' करने की जुर्रत न कर सके। उसके लिए एक मिनट का समय बचाना उस अनजान मरीज की पूरी ज़िंदगी से ज्यादा कीमती था। नैतिकता यहाँ उस मरीज की साँसों की तरह उखड़ रही थी, जिसे एक अहंकारी चक्के ने कुचल दिया था। यह रुला देने वाला दृश्य था कि एक तरफ मौत का सायरन बज रहा था और दूसरी तरफ विराज अपनी 'ताकत' का प्रदर्शन कर रहा था।

जब एक दुबले-पतले ट्रैफि क सिपाही ने हिम्मत जुटाकर उसे रोकने की कोशिश की, तो विराज का अहंकार ज्वालामुखी की तरह फट पड़ा। जानते हो मेरा बाप कौन है?–यह वह अमोघ अस्त्र था जिसे उसने सभ्यता के सीने पर दे मारा।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 16 जनवरी 2026 शुक्रवार
सूर्योदय - 07:14 सूर्यास्त 17:59
माघ मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - त्रयोदशी 22:22 उपरांत चतुर्दशी
नक्षत्र - मूल दिन पूर्ण उपरांत मूल
योग - ध्रुव 21:06 उपरांत व्याघ्र
करण - गर
चन्द्रमा - दिन पूर्ण धनु में रहेगा।
मुस्लिम मास - रज्जब मास 26 तारिख

मेष- विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है।

वृषभ- मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन- आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे।

कर्क- सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह- चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कन्या- अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

तुला- किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा।

वृश्चिक- नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु- पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें।

मकर- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

कुंभ- कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

मीन- जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

लघु कथा

हिंदी साहित्य को विद्रोही स्वर प्रदान करने वाले कथाकार : ज्ञानरंजन

ज्ञानरंजन हिंदी साहित्य की दुनिया में एक ऐसा नाम है जो कहानी विधा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले रचनाकारों में शुमार रहे वे न केवल एक उत्कृष्ट कहानीकार थे, बल्कि 'पहल' जैसी प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका के संपादक के रूप में भी जाने जाते हैं। उनकी रचनाएं मानव संबंधों की जटिलताओं, सामाजिक विडंबनाओं और व्यक्तिगत संघर्षों को इतनी गहराई से उकेरती हैं कि पाठक खुद को उनमें झांकता हुआ पाता है। साठोत्तरी पीढ़ी के प्रमुख लेखकों में से एक ज्ञानरंजन का योगदान हिंदी साहित्य को आधुनिकता और विद्रोही स्वर प्रदान करने में अहम रहा है।

ज्ञानरंजन का जन्म 21 नवंबर 1936 को महाराष्ट्र के अकोला जिले में हुआ था। उनका बचपन और किशोरावस्था विभिन्न शहरों में बीती, जिसमें अजमेर, दिल्ली और बनारस शामिल हैं। उच्च शिक्षा उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त की, जहां डॉ. धीरेंद्र वर्मा से लेकर धर्मवीर भारती तक जैसे विद्वान उनके शिक्षक रहे। इलाहाबाद उनके लिए प्रिय शहर रहा, जहां उन्होंने साहित्यिक माहौल में खुद को तराशा। बाद में वे जबलपुर में स्थायी रूप से बस गए, जहां से उन्होंने अपनी साहित्यिक गतिविधियां संचालित की, यहीं जबलपुर विश्वविद्यालय से उन्हें मानद डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की उपाधि भी मिली।

उनका पारिवारिक पृष्ठभूमि साधारण थी, लेकिन साहित्य के प्रति उनकी रुचि बचपन से ही थी। साठ के दशक में वे 'चार यार' मंडली के सदस्य बने, जिसमें दूधनाथ सिंह, काशीनाथ सिंह और रवींद्र कालिया जैसे लेखक शामिल थे। यह मंडली हिंदी साहित्य में एक नई लहर लेकर आई, जो परंपरागत साहित्य से विद्रोह करती हुई आधुनिक मुद्दों पर केंद्रित थी। ज्ञानरंजन की सोच में विद्रोह का तत्व प्रमुख था झ चाहे वह सामाजिक मानदंडों के खिलाफ हो या अंतरंग रिश्तों के प्रति। उन्होंने कभी भी साहित्य को मात्र मनोरंजन का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे समाज की आलोचना और आत्म-निरीक्षण का उपकरण बनाया। उनकी जीवनशैली सादगीपूर्ण रही। वे लेखन में गुणवत्ता पर जोर देते थे, यही कारण है कि उन्होंने मात्र 25 कहानियां लिखीं और फिर लेखन बंद कर दिया। उनका मानना था कि केवल सर्वोत्तम रचनाएं ही दुनिया के सामने आनी चाहिए। उनके साक्षात्कार अक्सर विवादास्पद होते थे, जैसे नामवर सिंह के लेखन पर उनकी टिप्पणियां, जो साहित्यिक जगत में बहस छेड़ देती थीं।

ज्ञानरंजन का साहित्यिक योगदान मुख्य रूप से कहानी विधा में है, लेकिन उन्होंने संस्मरण, निबंध, संपादकीय और साक्षात्कार भी लिखे। वे साठोत्तरी कहानी आंदोलन के प्रमुख स्तंभ थे, जहां कहानियां यथार्थवाद से आगे बढ़कर व्यक्तिवाद और सामाजिक विडंबनाओं को छूती हैं। उनकी रचनाएं मानव मन की गहराइयों को खंगालती हैं, जहां संबंधों की जटिलता, अलगाव और अस्तित्व की व्यर्थता प्रमुख थीम हैं। उनकी कहानियां सामान्य जीवन की असामान्य घटनाओं को केंद्र में रखती हैं। उदाहरणस्वरूप, उनकी रचनाएं पिता-पुत्र संबंध, प्रेम की विफलताएं और सामाजिक बंधनों को तोड़ने की कोशिशों को दर्शाती हैं। ज्ञानरंजन ने साहित्य को एक संग्रहालय की तरह देखा, जहां हर विभाग को भरा-पूरा होना चाहिए। उनका लेखन विद्रोही है, लेकिन सूक्ष्म और संवेदनशील। उन्होंने हिंदी साहित्य को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया, क्योंकि उनकी कहानियां रूसी, अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में अनूदित हुईं। लंदन पेंग्विन की भारतीय साहित्य एंथोलॉजी में उनकी कहानी शामिल होना इसका प्रमाण है।

संदीप सृजन
(दैनिक अवन्तिका)

यदि कॉलेस्ट्रॉल बढ़ गया है तो पैरों में ये होगा परिवर्तन

बहुत अधिक कॉलेस्ट्रॉल ना सिर्फ सेहत के लिए कई समस्याएं बढ़ा सकता है बल्कि दिल के रोगों के बढ़ने से लेकर दिल का दौरा पड़ने, स्ट्रोक होने तक का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप कॉलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करें। लेकिन क्या आप जानते हैं बिना टेस्ट करवाए बढ़े हुए कॉलेस्ट्रॉल के बारे में आप अपने पैरों से जान सकते हैं। आइए जानें, वो कौन से संकेत हैं जो पैरों में दिख जाते हैं जब हाई हो जाता है कॉलेस्ट्रॉल।

हाई कॉलेस्ट्रॉरल के लक्षण पैरों में कैसे दिखाई देते हैं

कोलेस्ट्रॉल जब बढ़ता है तो सबसे खतरनाक बात ये है कि इसका कोई लक्षण तब तक नहीं दिखता जब तक कि यह खतरनाक स्तर तक नहीं पहुंच जाता। साथ ही डेली लाइफ को प्रभावित करना शुरू ना कर दे। इसको डायग्नोज और रोकथाम करने का एकमात्र तरीका नियमित ब्लड टेस्ट करवाना है। जब ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है, तो यह आपके पैरों के एच्लीस टेंडन को प्रभावित करना शुरू कर देता है। इस कारण पैरों में स्टीफनेस आनी शुरू हो जाती है।

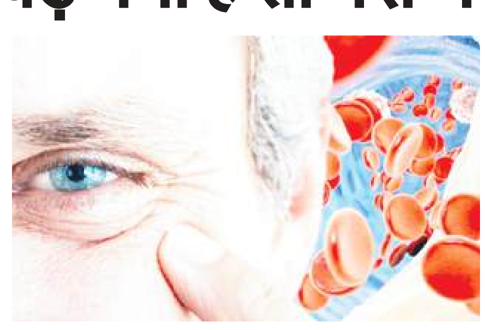

पैरों में दर्द

जब आपके पैरों की आर्टरीज बंद हो जाती हैं, तो आपके निचले हिस्से में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन युक्त ब्लड नहीं पहुंच पाता। यह आपके पैर को भारी और थका हुआ महसूस करा सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल के स्तर वाले अधिकांश लोग निचले अंगों में जलन दर्द की शिकायत करते हैं। पैर के किसी भी हिस्से जैसे जांघों या पिंडलियों में दर्द महसूस हो सकता है। दर्द मुख्य रूप से तब महसूस होता है जब व्यक्ति थोड़ी दूरी तक भी चलता है।

पैर में ऐंठन

सोते समय तेज पैर में ऐंठन, हाई कोलेस्ट्रॉल के स्तर का एक और सामान्य लक्षण है जो निचले अंगों की आर्टरीज को नुकसान पहुंचाता है। अकड़न या ऐंठन ज्यादातर एड़ी, पैर के आगे के हिस्सेक या पैर की उंगलियों में महसूस होती है। रात में सोते समय हालत और खराब हो जाती है। ऐसी स्थिति में पैरों को बिस्तर से नीचे की ओर लटका दें, इससे राहत मिल सकती है।

स्किन और नाखूनों को बदल जाता है रंग

ब्लड के प्रवाह में कमी से पैरों के नाखूनों और त्वचा का रंग भी बदल सकता है। यह मुख्य रूप से इसलिए है क्योंकि ब्लड ले जाने वाले पोषक तत्वों और ऑक्सीजन के प्रवाह में कमी के कारण कोशिकाओं को उचित पोषण नहीं मिलता। ऐसी स्थिति में त्वचा सफेद और टाइट हो सकती है और पैर का नाखून मोटा हो सकता है और धीरे-धीरे बढ़ सकता है।

ठंडे पैर

हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर आपके पैरों को ठंडा कर सकता है। इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें और अपने डॉक्टर से बात करें।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

धर्म-आस्था

क्या भगवान को भी कर्मों का फल भोगना पड़ता है?

कर्म से मनुष्य इस तरह बंधा है कि उसके आत्मा की यात्रा ही इसी आधार पर तय की जाती है। मनुष्य चाहकर भी ना तो कर्म से बच सकता है और ना ही कर्म का फल पाने से, लेकिन कुछ लोगों के मन में ये जिज्ञासा होती है क्या ईश्वर भी कर्मफल से बंधे हैं? क्या उन्हें भी कर्म का भुगतान करना पड़ता है?

कर्म का सिद्धांत है कि मनुष्य जो भी करता है, एक दिन उसे उसका फल जरूर भोगना पड़ता है, चाहे वो अच्छा हो या बुरा। गीता में भगवान्‌ श्रीकृष्ण ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति कुछ नहीं भी कर रहा होता है, तो भी वो मानसिक या किसी न किसी अन्य रूप में कर्म कर रहा होता है। इसलिए, ये तो तय है कि मनुष्य कर्मों से नहीं बच सकता और ना ही उसके परिणामों से। मनुष्य की आत्मा का विश्लेषण ही कर्मों के आधार पर होता है। लेकिन कई जिज्ञासुओं के मन में ये भी सवाल आता है कि क्या भगवान को भी कर्मों का फल भोगना होता है? क्या वो भी कर्मों के नियम से बंधे हैं? तो, चलिए शास्त्रों के नजरिये से समझते हैं इसका जवाब...

क्या भगवान पर कर्म का नियम लागू होता है?

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं - न मां कर्माणि लिम्पन्ति न मे कर्मफले स्पृहा। अर्थात मुझे कर्म बाँधते नहीं हैं क्योंकि मुझे कर्मफल की इच्छा नहीं है। कर्म का नियम उनपर लागू होता है, जो कर्मफल की इच्छा रखते हैं। ईश्वर ना तो कर्ता हैं और ना ही कर्मफल की उन्हें आवश्यकता है। वे अकर्ता हैं, इसलिए भोक्ता नहीं हैं। भगवान जीवों के कर्मों के साक्षी जरूर हैं, लेकिन वे स्वयं कर्म के बंधन में नहीं बंधते। जीव इच्छा से कर्म करता है और कर्मफल की अपेक्षा रखता है। जब तक जीव इस भौतिक संसार में है, खुद को जीवित रखने के लिए किसी न किसी रूप में कर्म करने के लिए बाध्य है और उसका फल भोगने के लिए भी। कर्म का नियम जीवों को संतुलन और न्याय देने के लिए है। इसलिए तो, गीता में यह भी कहा गया है कि कर्म करो लेकिन फल की चिंता मत करो। आप खुद को कर्म करने से नहीं रोक सकते लेकिन आप खुद को निष्काम कर्म करने के लिए जरूर तैयार कर सकते हैं, ताकि एक दिन आपको भी मोक्ष मिल जाए और इस कर्म के चक्र से मुक्ति भी।

क्या भगवान के अवतार भी कर्मों के नियम में नहीं बंधे हैं? जब भगवान राम और कृष्ण के रूप में अवतार लेते हैं, तो वे मानव रूप में कर्म करते दिखते हैं। वे मानव रूप में वो सारे दुःख और सुख उठाते हैं, जो एक जीव को कर्म के परिणाम के रूप में भुगतना पड़ता है। उनका ये अवतार असाधारण होते हुए भी मानव जाति को कर्म का महत्व सिखाने के लिए कर्मों का परिणाम भुगतता है। वे भले ही ईश्वर हैं और लीलाएं कर सकते हैं लेकिन फिर भी कर्म के नियम के अनुसार आचरण करते हैं। जैसे भगवान्‌ श्रीराम ने राजधर्म के लिए वनवास स्वीकार किया, वहीं श्रीकृष्ण ने युद्ध में कर्मयोग सिखाया। कर्म का नियम भले ईश्वर ने बनाया है लेकिन ईश्वर स्वयं उसका बंधन नहीं हैं। ये अलग बात है कि जब ईश्वर मानव रूप में आते हैं, तो वे भी कर्म का नियम नहीं तोड़ते बल्कि उसका सम्मान करते हैं। ईश्वर कर्म के नियम से ऊपर हैं, पर कर्म के नियम के विरुद्ध नहीं।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2000-2960 चना काबली- 2800-8560, चना बड़ा- 5341-6029, बटला- 1500-3840 बटला- 1500-3840, मसूर- 5601, तिल्ली- 5681-8711, सोयाबीन- 1800-6161, मैथीदाना- 4064-4541, मावा- 280 प्रतिकिलो। सोना-चाँदी- सोना- स्टेण्डर्ड- 1,44,500, रवा- 1,44,400 चांदी- टंच- 2,68,700 पाट- 2,68,600।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

अभाविप ने युवा दिवस पर महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिता आयोजित की

ब्यावरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नेताजी सुभाषचन्द्र बोस शासकीय महाविद्यालय इकाई द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमे नगर के कई विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभाविप जिला महाविद्यालय संयोजक जीत शिवहरे तथा विशेष अतिथि महाविद्यालय खेल अधिकारी राकेश सिंह रहे, शिवहरे ने खिलाड़ियों को स्वामी विवेकानंद के विचारो को आत्मसात कर निरंतर परिश्रम करने और अपने लक्ष्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहें को कहा साथ ही बताया स्वस्थ युवा राष्ट्र की रीड है जो देश का भविष्य भी है। युवा दिवस पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में कबड्डी एवं वॉलीबॉल जैसी प्रतियोगिताएं रही महाविद्यालय अध्यक्ष विशाल दांगी द्वारा खिलाड़ियों तथा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया इस दौरान महाविद्यालय मंत्री सुहानी प्रजापति, उपाध्यक्ष हरिओम सोंधिया, भविष्य त्रिवेदी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेलो एमपी युथ वालीबॉल प्रतियोगिता में शाउमा विद्यालय करनवास रहा विजेता

ब्यावरा। खेलो एमपी यूथ वॉलीबॉल ब्लॉक स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बालक और बालिका दोनों वर्ग में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करनवास के प्रांगण में आयोजित हुआ जिसके अंतर्गत बालक और बालिका दोनों ही वर्ग में करनवास हायर सेकंडरी विद्यालय के बच्चे विजेता रहे इस अवसर पर अनेक टीमों ने भाग लिया जिसमें फाइनल मैच करनवास विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय के बच्चों के बीच में आयोजित हुआ जो की बहुत ही रोमांचक मैच रहा तथा इसमें करनवास के बच्चों ने दो एक से जवाहर नवोदय विद्यालय के बच्चों को हराया और विजेता बने साथ ही बालिकाओं वर्ग में भी करनवास हायर सेकेंडरी की बेटियों ने विजेता रहकर प्रथम स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर संयोजक फिरोज लोधी विद्यालय के रविंद्र सिंह तोमर, खबीर मोहम्मद गौरी उपस्थित रहे इस विषय पर प्राचार्य महेश कुमार यादव एवं जन शिक्षक लाड सिंह चौहान और अशोक शर्मा ने सभी को बधाइयां प्रेषित की और कहा कि खेलों से जीवन में अनुशासन और जीत की भावना पैदा होती है जीवन में खेल का उतना ही महत्व है जितना की पढ़ाई का।

राजगढ़ पहुंचे गुरसिमरन सिंह मंड, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

राजगढ़-ब्यावरा। मध्यप्रदेश के दौरे पर आए गुरसिमरन सिंह मंड ने राजगढ़ पहुंचे गुरसिमरन सिंह मंड को शासन द्वारा व्हाय श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। जिले में उनके प्रथम आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु व समर्थक ने स्वागत करने पहुंच गए। निरंजन पीठाधीश्वर श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशनंद गिरिजी महाराज, निरंजनी अखाड़ा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं अंतरराष्ट्रीय एंटी खालिस्तानी टेररिस्ट फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरसिमरन सिंह मंड के राजगढ़ जिले में आगमन पर विभिन्न स्थानों पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। तलेन में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत वे राजगढ़ स्थित मां जालपा मंदिर पहुंचे, जहां माता जालपा के दर्शन किए। इसके बाद देवनारायण मंदिर में उनका भव्य स्वागत फूल-मालाओं से किया गया। इस दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए गुरसिमरन सिंह मंड ने हिंदू समाज की एकजुटता, गौ-संरक्षण, लव जिहाद, धर्म-परिवर्तन तथा आतंकवाद के समूल नाश जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए और समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। राजगढ़ में रात्रि विश्राम के बाद वे अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत उज्जैन के लिए प्रस्थान किया। जहाँ बागेश्वर धाम में आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

श्रीमती चौधरी का निधन

सुसनेर। दिगंबर जैन समाजजन एवं रिटायर्ड शिक्षक कोमलचंद जैन चौधरी की पत्नि श्रीमती मोराबाई चौधरी का मंगलवार को अचानक निधन हो गया। निधन के पश्चात दोपहर 2 बजे डॉक बंगला स्थित उनके निवास से शवयात्रा निकाली गई जो कंठाल नदी स्थित मुक्तिधाम पहुंची जहां पर उनका अन्तिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र सुनिल,अजित एवं विजय चौधरी ने अपनी माता को मुखाग्नि दी। बाद में दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मोराबाई अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती थीं।

जाहिर सूचना

सूचित किया जाता है कि, MALEKA BAI के पासपोर्ट नंबर N2800166 में नाम के साथ SHABBIR HUSAIN लिखा हुआ है, जबकि सही नाम MALEKA BAI है एवं समस्त दस्तावेजों में नाम MALEKA BAI अंकित है एवं इसी नाम से जाना जाता है। MALEKA BAI ही सही नाम होने बाबत यह जाहिर सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है। दिनांक 15.01.2026

निलेश भंडारी एडवोकेट
81, भगतसिंह मार्ग खाचरौद जिला उज्जैन मो.नं. 9826561498
NILESH BHANDARI ADVOCATE (Khachrod)

देवास में हिन्द रक्षक संगठन का महोत्सव

मकर संक्रांति पर 7 हजार पतंगों से रंगा आसमान बच्चों को पतंग, चकरी और तिलगुड़ का वितरण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास में हिन्द रक्षक संगठन द्वारा मकर संक्रांति का पर्व इस वर्ष भी हर्षोल्लास और पारंपरिक तरीके से मनाया गया। संगठन ने अपना 21वां मकर संक्रांति पर्व नावेल्टी चौराहा पर भव्य पतंग महोत्सव के रूप में आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन पार्षद एवं नगर निगम में नेता सत्तापक्ष मनीष सेन के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक गायत्रीराजे पवार रहीं। विशेष अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल और सभापति रवि जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच पर पहुंचे सभी अतिथियों का संगठन के सदस्यों ने भगवा गमछा ओढ़ाकर स्वागत किया।

वंदेमातरम और सुंदरकांड से शुभारंभ

पतंगोत्सव का शुभारंभ संगीतमय वंदेमातरम गीत और सुंदरकांड पाठ के साथ किया गया। इसके बाद अतिथियों ने रंग-बिरंगे गुब्बारों के साथ पतंगें उड़ाकर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

विधायक गायत्रीराजे पवार ने अपने संबोधन में कहा कि मकर संक्रांति हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है और पार्षद मनीष सेन पिछले 21 वर्षों से भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए हुए हैं। उन्होंने आयोजन समिति और हिन्द रक्षक संगठन को इस निरंतर आयोजन के लिए बधाई दी।

सेवा और प्रतिभा का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सेवा और कला के क्षेत्र में योगदान देने वालों का सम्मान भी किया गया। वृद्धाश्रम में वृद्धजनों की सेवा करने वाले दिनेश चौधरी को सम्मानित किया गया। वहीं आदियोगी की आकर्षक पेंटिंग बनाने वाली सभापति रवि जैन की बेटी मोक्षा जैन को भी विशेष रूप से सम्मान मिला। इसके अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव को उनके सफल एक वर्षीय कार्यकाल के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में शामिल स्कूली बच्चों को अल्पाहार कराया गया और उन्हें पतंग, चकरी व तिलगुड़ वितरित किए गए। आयोजन के समापन पर करीब 7 हजार पतंगों, आलू बड़े, चकरी और तिलगुड़ का निःशुल्क वितरण किया गया। पतंग महोत्सव के दौरान पूरा क्षेत्र रंग-बिरंगी पतंगों से सजा नजर आया। आयोजन ने न केवल मकर संक्रांति की पारंपरिक खुशियों को साझा किया, बल्कि सेवा, संस्कृति और सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया।

ब्यावरा नपा .की पेयजल व्यवस्था ने तोड़ा दम

भाई-भतीजावाद के चलते तोड़ा अतिक्रमण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल की घटना से सबक लेने की बजाय ब्यावरा नगर पालिका अभी भी कुंभकर्णीय नींद में सोई हुई है। नगर पालिका शहर की पेयजल व्यवस्था को सुधारने में असफल हो रही है। आक्रमण्य अधिकारी एवं कर्मचारियों के लापरवाही के कारण गांधी चौक से पुराना सुठालिया रोड, मैन बाजार में गत दस दिनों से पेयजल सप्लाई व्यवस्था बाधित हो रही है लोग पीने के पानी के लिए परेशान हो रहे है।

घटिया पाइप लाइन जगह-जगह टूटी हुई है जिसके कारण नालियों का गंदा पानी पाइपों के माध्यम से घरों में पहुंच रहा है। नगर पालिका द्वारा जब भी पेयजल सप्लाई की जाती है नलों में सबसे पहले नालियों का गंदा पानी आता है बार-बार काम के चलते गंदा पानी टूटे हुए पाइपों के माध्यम से सप्लाई लाइन तक जाता है और सप्लाई के दौरान वही गंदा पानी नलों में आ रहा है। नागरिकों ने बताया कि गंदे पानी का इस तरह से लाइन में मिलना खतरनाक साबित हो सकता है इसके साथ ही मलेरिया तथा बुखार जैसी समस्याओं से दो चार होना पड़ सकता हैं।

अतिक्रमण के नाम पर चलाई जेसीबी

शहर में अजनार नदी के किनारे गंगा मंदिर के समीप अस्पताल रोड पर भाई भतीजावाद के चलते शासकीय भूमि पर रखी तीन अस्थाई दुकाने जो आवागमन को किसी भी प्रकार से बाधित नहीं कर रही थी नगर पालिका ने अतिक्रमण के नाम पर जेसीबी मशीन से उक्त गरीबों की दुकानों का चकनाचूर कर दिया वही ट्रांसफार्मर के समीप खतरनाक जगह पर रखी दुकाने अधिकारियों की मेहरबानी का लुफ्त उठा रही अधिकारियों का अतिक्रमण हटाने का यह रवैया शहर में जनचर्चा का विषय बना हुआ है।

देवास में आज होगा किसान न्याय सम्मेलन

देवास। देवास में शुक्रवार को किसान न्याय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन जिला कांग्रेस कमेटी देवास और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी क्षिप्रा द्वारा ग्राम क्षिप्रा, विधानसभा हाटपीपल्या में आयोजित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों की फसलों के दाम और लैंड पूलिंग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इनमें मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, सह प्रभारी संजय दत्त, मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, देवास जिला कांग्रेस प्रभारी सदाशिव यादव और हाटपीपल्या विधानसभा प्रभारी मनोज आर्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनीष चौधरी और शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम ने सभी किसान साथियों और कांग्रेस कार्यकताओं से इस सम्मेलन में उपस्थित होकर किसानों की आवाज को मजबूत करने की अपील की है।

बस ने स्कूटी को टक्कर मारी, मां की मौतः बेटा गंभीर घायल

संक्रांति मनाकर इंदौर लौट रहे थे

देवास। देवास-इंदौर मार्ग पर रसूलपुर बायपास के पास बुधवार को हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मां-बेटे संक्रांति पर्व मनाकर देवास से इंदौर स्थित अपने घर लौट रहे थे। मृतक महिला की पहचान सपना दीक्षित (उम्र लगभग 40 वर्ष) के रूप में हुई है। वह अपने 23 वर्षीय बेटे आर्यन दीक्षित के साथ स्कूटी से यात्रा कर रही थीं। रसूलपुर बायपास चौराहे के समीप तेज रफ्तार बस ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सपना दीक्षित की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल आर्यन दीक्षित को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से देवास के एमजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। एमजी अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. आसिफ शेख ने बताया कि दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था, लेकिन महिला को बचाया नहीं जा सका। जानकारी के अनुसार, मृतका सपना दीक्षित देवास जिले की हाटपीपल्या विधानसभा से विधायक मनोज चौधरी के करीबी अमर अवस्थी की बहन थीं। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। मृतका का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में कराया जाएगा।

सारंगपुर में सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन, छाया कोहरा, फसलों पर ओस की बूंदें जमीं

अस्पतालों में बढ़े सर्दी-खांसी के मरीज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर शहर और अंचल में पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। तेज धूप के बाद अचानक बढी ठंड ने आमजन और किसानों की चिंता बढा दी है। सुबह और रात के समय तापमान में उतार-चढाव का असर अधिक महसूस हो रहा है।

मौसम विभाग के आंकडों के अनुसार, गुरुवार को का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड बढने के साथ सुबह सर्द हवाएं चलीं, जिससे लोगों को गर्म कपडों का सहारा लेना पडा। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक मौसम में इसी तरह के बदलाव बने रहने की संभावना जताई है। बदलते मौसम का असर कृषि फसलों पर भी दिखाई दे रहा है। किसानों के मुताबिक, फिलहाल गेहूं की फसल को ठंड से कोई खास नुकसान नहीं हुआ है। किसान कमल सिंह ने बताया कि गेहूं की फसल अच्छी स्थिति में है और यदि मौसम सामान्य बना रहा तो बेहतर पैदावार की उम्मीद है।

मौसम में इस बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड रहा है। सिविल अस्पताल और निजी क्लीनिकों में सर्दी, खांसी, बुखार और वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। डॉक्टरों ने बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने किसानों और आमजन से अपील की है कि वे मौसम के उतार-चढाव को देखते हुए सतर्क रहें। ठंड से बचाव के उपाय अपनाएं और अपनी फसलों की नियमित निगरानी करते रहें। सारंगपुर क्षेत्र में गुरुवार सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर तक कम हो गई, जिसके चलते वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर चलना पडा।

मनरेगा से जी राम जी बनी योजना में अब मजदूरों की फेस अटेंडस होगी

जी राम जी योजना के पंचायतों के बिल दूसरे जिले की ट्रेजरी में होंगे पास

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

केंद्र सरकार ने मनरेगा योजना में व्यापक बदलाव करते हुए इसका नाम जी राम जी योजना कर दिया है। साथ ही पंचायतों में हो रही वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भुगतान व्यवस्था में नई प्रणाली लागू की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब पंचायतों द्वारा खरीदी जाने वाली सामग्री और किए गए कार्यों के बिल स्थानीय जिले की बजाय दूसरे जिले की ट्रेजरी से पास किए जाएंगे। इतना ही नहीं, हर माह ट्रेजरी बदली जाएगी। जिससे किसी एक जिले में लंबे समय तक बिल पास होने की व्यवस्था नहीं रहेगी। बताया जा रहा है की मजदूरी 60 प्रतिशत और समाग्री 40 प्रतिशत बीजी राम जी योजना के तहत खर्च होगी। यदि हितग्राही स्वयं सामग्री लगाता है तो उसका अलग बिल बनेगा, जिसमें जीएसटी लागू नहीं होगी। वहीं सामग्री आपूर्ति करने वाले वेंडर के लिए जीएसटी पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा कानून में संशोधन के बाद यह आदेश सभी राज्यों को जारी किया गया है।

सारंगपुर के बिल श्योपुर भेजे

नए नियमों के अनुसार इस माह सारंगपुर सहित जिला पंचायत एवं जनपद पंचायतों के बिल श्योपुर ट्रेजरी भेजे गए हैं। जबकि राजगढ ट्रेजरी में वर्तमान में दमोह जिले के बिलों की जांच और भुगतान किया जा रहा है। आगामी महीनों में यह व्यवस्था रेंडम तरीके से बदली जाएगी।

ट्रेजरी स्तर पर होगी सख्त जांच

जानकारी अनुसार अब तक मनरेगा के तहत मजदूरी और सामग्री भुगतान के बिल जनपद या जिला पंचायत स्तर पर ही स्वीकृत हो जाते थे। लेकिन नई प्रणाली में कार्य पूर्ण होने के बाद पंचायत द्वारा बिल तैयार किया जाएगा। तकनीकी व प्रशासनिक स्वीकृति वैसी ही रहेगी। इसके बाद बिल ट्रेजरी को भेजा जाएगा। ट्रेजरी द्वारा सभी दस्तावेजों, डीडीओ के डिजिटल हस्ताक्षर, तकनीकी स्वीकृति और जीएसटी की जांच के बाद ही भुगतान किया जाएगा।

महिला सशक्तिकरण को मिलेगा बढ़ावा

सरपंच संघ अध्यक्ष महेश गुर्जर एवं मऊ सरपंच रईस मंसूरी ने बताया कि विकसित भारत जी राम जी योजना को आधुनिक ऐ तकनीक से जोडा गया है। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन, निगरानी और भुगतान प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। जिससे हर लाभार्थी तक सीधा लाभ पहुंचेगा। केंद्र सरकार ने जोर दिया कि गांव तभी मजबूत होंगे, जब योजनाएं ईमानदारी और पारदर्शिता से लागू हों। मंसूरी ने कहा इस योजना से करोडों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। स्वयं सहायता समूहों से जुडी महिलाओं को भी इस योजना से जोडा जाएगा, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढावा मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

बाबूलाल यादव अखिल भारतीय यादव महासभा के जिलाध्यक्ष मनोनीत

सुसनेर। जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष बाबुलाल यादव को अखिल भारतीय महासभा अहीर संगठन का आगर जिला अध्यक्ष मनोनित किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अशोक यादव ने समाज को अग्रसर करने की दिशा में यह कदम उठाते हुए जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी बाबुलाल यादव को दी है। इस उपलब्धि पर इष्ट मित्रो व समाजजनों के द्वारा बाबुलाल को बधाई प्रेषित कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की जा रही है।

ग्राम पंचायत किलोली में फील्ड टेस्ट कीट से जल परीक्षण

इंगोरिया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के टेक्नीशियनों ने ग्राम पंचायत किलोली में फील्ड टेस्ट कीट द्वारा जल परीक्षण किया। इस अवसर पर नल जल स्त्रोत एवं हैंडपंपों का रख रखाव का प्रशिक्षण भी दिया। एवं नल जल स्त्रोत का जल परीक्षण किया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि बहादुरसिंह, सचिव रूपसिंह गोहिल, सहायक सचिव विनोद कुमारिया ,पूर्व सरपंच भेरू चौधरी , नलजल संचालक आनंद डोडिया उपस्थित रहे। जल जीवन मिशन के तहत प्रशिक्षण में विकासखंड समन्वयक सीताराम मुवेल, टेक्नीशियन योगेशभारती और राजेंद्र सिंह का सहयोग रहा।

बालिकाओं को ठंड में कम्बल दाल चावल और गजक पापड़ी का वितरण

महिदपुर। सर्व प्रयास सामाजिक संस्था द्वारा अध्यक्ष ज्योति शर्मा बृजवासी से प्रेरणा लेकर गोद ली हुई बालिकाओं को ठंड में कम्बल दाल चावल और गजक पापड़ी का वितरण किया गया। महिदपुर संस्था प्रमुख श्रीमती रोहिणी मेहता ने बताया कि संस्था समय-समय पर गोद ली बालिकाओं की मदद करती है एवं आर्थिक रूप से मजबूत करने का प्रयास करती है। संस्था ने संकल्प किया है की समय-समय पर बालिकाओं की मदद की जावेगी। इस अवसर पर संस्था प्रमुख रोहिणी मेहता, आशा राठौर, नीतू जैन, लवलीन कालरा, सरिता कालरा, प्रभा शर्मा, सरिता उथरा, मंजू बाला शर्मा, सरोज पोरवाल, सपना वैष्णव, राधा मेहता, अनीता राठी, रेखा व्यास, सारिका जोशी, सरिता कालरा, कुसुम दशोरा, कविता जलान्द्रा एवं कविता माहेश्वरी उपस्थित रही। यह जानकारी मीडिया प्रभारी रजनी गुलाटी द्वारा दी गई।

शहर की यातायात व्यवस्था चौपट, नो इंट्री में घुस रहे ट्राले-डंपर

गुना। शहर के गहमा गहमी वाले इलाके में नो इंट्री के बावजूद भी ट्राले-डंपर घुस रहे हैं इसके चलते लोग जाम का सामना कर रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ है। दरअसल आए दिन हो रही घटनाओं से पुलिस प्रशासन सबक लेने का नाम नहीं ले रहा है। शहर में लोग घटना दुर्घटनाओं से भयभीत हैं और थाना प्रभारी अजयप्रताप सिंह कुशवाह रील बनाने में व्यस्त हैं। रोज की तरह बुधवार भी बीच बाजार से नौ इंट्री में निकाले जा रहे ट्राले के चलते त्यौहार में लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि यातायात प्रभारी सिर्फ रील बनाने तक सीमित। ऐसे उदाहरण शहर में कई बार बनते हैं, किंतु उनके द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही। आज मकर संक्रांति के खास मौके पर भी एसबीआई बैंक के सामने नो इंट्री में निकाले जा रहे ट्राले के चलते लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ा।

इंगोरिया में विशाल हिन्दू सम्मेलन 18 जनवरी को

इंगोरिया। हिंदू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने हेतु सर्व हिन्दू समाज द्वारा सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 18 जनवरी को इंगोरिया में विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। समय प्रात 11 बजे से स्थान इंगोरिया फोर लेन नागदा रोड ओवर ब्रिज के समीप आम का बगीचा। इस हिन्दू सम्मेलन में समीप के गांव बलेडी, कुला वदा, सुराखेड़ी , मनियावदा, पा त्याखेड़ी, करणपुरा के समस्त ग्रामवासियों को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। आयोजक सकल हिंदू समाज ने आव्हान किया कि आपकी उपस्थिति आयोजन की गरिमा में वृद्धि करेगी। और समाज में एक नई ऊर्जा का संचार होगा। कार्यक्रम पश्चात समरसता सह भोज रहेगा।

संकुल पीएम श्री में 11 सेवानिवृत्ति शिक्षकों का सक्सेना के आतिथ्य में किया सम्मान

तराना। संकुल केंद्र, पीएम श्री शासकीय कन्या उ मा विद्यालय के विगत वर्ष सेवानिवृत 11 शिक्षकों का सम्मान समारोह एसडीएम बृजेश सक्सेना के मुख्य आतिथ्य, सीएमओ वीरेंद्र मेहता, नांदेड़ संकुल प्राचार्य श्रीधर करमरकर, कनार्दी संकुल प्राचार्य रामवीर सिंह सिकरवार कड़ोदिया संकुल प्राचार्य जगदीश कारपेंटर, कचनारिया संकुल प्राचार्य प्रेमनारायण कटारिया, हाईस्कूल तराना प्राचार्य बृजेश शर्मा व शेख नियाज मोहम्मद के विशिष्ट आतिथ्य एवं संकुल प्राचार्य अशोक कुमार गहलोत की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें सर्वश्री विनोद कुमार जोशी, श्रीकृष्ण चौहान अब्दुल रजाक खान, शोभा शर्मा, दशरथ भारती, पुरुषोत्तम चांडक, जेहरा बानो, शेख रईस, एनसीसी अधिकारी विक्रम सिंह परमार और मोहम्मद रफी खान का प्रशस्ति पत्र व शाल,श्रीफल प्रदान कर अभिनंदन कर भावभीनी बिदाई दी गई।इस अवसर पर सेवानिवृत्ति के पश्चात भी विभाग को दी गई अमूल्य सेवाओं के लिए विनोद कुमार जोशी का एवं रचनाधर्मिता के लिए शिक्षक एवं कवि डॉ.विक्रम विवेक का विशिष्ट अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम में संकुल के कार्य तत्परता से संपन्न करने के लिए संकुल प्राचार्य अशोक गहलोत का अध्यापक संघ के शेख हनीफ, महेश गोस्वामी, पुरुषोत्तम शर्मा, ओमप्रकाश खरेटिया, प्रहलादसिंह मंडोर, दिनेश गोयल एवं साथियों द्वारा अभिनंदन किया गया ।

समाजजनों की उपस्थिति में लोहड़ी पर्व श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया

महिदपुर। स्वर्गीय पंडित मदनलाल शर्मा के निवास पर लोहड़ी पर्व समाजजनों की उपस्थिति में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। लोहरी के अवसर पर अग्नि प्रज्वलित कर विधिवत पूजन किया गया। पूजन के दौरान तिल-गुड़, रेवड़ी, मक्का व ज्वार की धानी अग्नि में अर्पित की गई। पर्व के विशेष अवसर पर नवविवाहिता, यश एवं ट्विंकल मल्होत्रा तथा प्रेम जी मल्होत्रा परिवार द्वारा लोहरी पूजन कर परिक्रमा की गई। पूजन उपरांत प्रेम मल्होत्रा परिवार द्वारा स्व-रुचि भोज का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित समाजजनों ने सहभागिता की। वहीं, युवा पुजारी नरेंद्र के भांजे विक्रांत पंड्या के रुक्का (सगाई) के उपलक्ष्य में विशेष पूजन कर जलेबी-पोहे का स्वल्पाहार भी कराया गया।

उपखण्ड स्तरीय राहत समिति की बैठक आयोजित की

महिदपुर। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) महिदपुर में उपखण्ड स्तरीय राहत समिति की बैठक आयोजित हुई। जिसमें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) महिदपुर समिति अध्यक्ष अजय हिंगे एवं अन्य सदस्यगण जेंडेन लिंगजेरप्पा, तहसीलदार संतुष्टि पाल समिति के अशासकीय सदस्य अरुण बुरड़, बाबुलाल थावलिया, कैलाश वर्मा सहित सदस्यगण, विभागीय मण्डल संयोजक बी.एल. परमार उपस्थित थे। बैठक में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा शासन के नियमानुसार विधायक दिनेश जैन बोस की अनुशंसा पर अनुसूचित जाति एवं जन जातियों वर्ग के व्यक्तियों को राहत राशि स्वीकृत की गई है। विगत माह में महिदपुर क्षेत्र के 5 व्यक्तियों को राशि रुपए 4 लाख 20 हजार स्वीकृत कर संबंधित के खातों में आर टी जी एस की गई। उक्त जानकारी बी.एल. परमार मण्डल संयोजक ने दी।

आबकारी विभाग राजगढ़ की कार्रवाई भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

राजगढ़-ब्यावरा। राजगढ़ जिले में विशेष अभियान के तहत कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी रीतेश लाल एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी शैलेंद्र वर्मा एवं दिलीप कुमार भादे के नेतृत्व में जिले मे अवैध मदिरा के निर्माण, धारण, संग्रहण, विक्रय व परिवहन के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अवैध मदिरा बरामद कर कार्यवाही की गई। ब्यावरा वृत्त प्रभारी दीपक राजपूत द्वारा वृत्त ब्यावरा क्षेत्र के ग्राम मानकी, नापानेरा कंजर अड्डा, नेताहाड़ी, सुठालिया, तोड़ी, गंगाहोने, भावास, तलावली, पहाड़गढ रोड, मऊ पठार एवं अन्य संदिग्ध स्थलो पर दबिश देकर 4 ड्रम 5 टंकी और अवैध मदिरा निर्माण के लोहे के 2 ड्रम भी जब्त किए।

मकर संक्रान्ति पर पतंगबाजी के रंग में डूबा रहा अंचल

युवक युवतियों ने छत पर डीजे लगा कर की जमकर पतंगबाजी, गूंजा काटा है

दैनिक अवन्तिका ▸▸ कानड़

बुधवार को मकर संक्रांति की सर्द सुबह का सूरज देशभर में मिठास घोलने का पैगाम लेकर आया। सूर्यदेवता के उत्तरायण होने के साथ ही ठंड को बे असर करती हुई सूर्य की किरणें प्रखर हुई।सूर्य के उत्तरायण होने पर मकर संक्रांति पर्व लोगों में नई ऊर्जा का संचार लेकर आता है। मकर संक्रांति पर्व पर पतंगबाजी के शौकीनों ने छत पर डीजे लगा कर फिल्मी गाने और भजन का आनंद लेते हुए पुरे दिन आसमान में पतंग उड़ाकर संक्रांति मनाई। मंगलवार को दिनभर आसमान में पतंगों के पेंच लड़ते रहे। नगर की हर छत से कट्टा हे की आवाज सुनाई दे रही थी। पूरा आसमान रंग बिरंगी पतंगो से भरा रहा।युवक युवतियों के साथ बच्चों ने भी लिए पतंगबाजी के आनंद।

सुसनेर

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर परंपरा, उल्लास और लोकसंस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पर्व के अवसर पर नगरभर में दिनभर पतंगबाजी का जुनून युवाओं के सिर चढ़कर बोला। सुबह से ही नगर की छतों पर रंग-बिरंगी पतंगें उड़ती नजर आईं और गली-मोहल्लों में ये काटाझ्रवो काटा की गूंज सुनाई देती रही। आसमान मानो पतंगों के रंगों से सजा हुआ दिखाई दिया। संक्रांति पर युवाओं के साथ-साथ बच्चों, महिलाओं और युवतियों में भी खासा उत्साह देखा गया। कई स्थानों पर युवक-युवतियां सामूहिक रूप से पतंग उड़ाते नजर आए। डीजे की धुनों पर देशभक्ति व फिल्मी गीतों के बीच पतंगबाजी का दौर चलता रहा। पतंग कटते ही खुशियों का इजहार तालियों और शोरगुल के रूप में देखने को मिला, वहीं अपनी पतंग कटने पर मायूसी भी साफ झलकती रही। कटी पतंगों को लूटने वालों में भी जबरदस्त उत्साह देखा गया। नगर में तिल-गुड़ की मिठाइयों की दुकानों पर दिनभर भीड़ लगी रही। श्री राम मंदिर धर्मशाला में सामूहिक पतंग उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें विकास कुमावत, शुभम विश्वकर्मा, नैतिक टेलर, नरेंद्र सिंह, एलकार सिंह, अनिल सिलोरिया आदि उपस्थित रहे। इस बीच मकर संक्रांति के अवसर पर कांग्रेस विधायक भैरो सिंह परिहार बापू ने अपनी सादगी और जन-नजदीकी से सभी का ध्यान आकर्षित किया। मेला ग्राउंड पर पारंपरिक गुल्ली-डंडा खेलते युवाओं को देखकर विधायक स्वयं को रोक नहीं सके और मैदान में उतरकर युवाओं के साथ पूरे जोश और उत्साह से खेल में शामिल हो गए। विधायक बापू का यह देसी और आत्मीय अंदाज युवाओं के लिए प्रेरणादायी रहा। खेल के दौरान विधायक ने युवाओं से आत्मीय संवाद किया और उन्हें खेलों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहने का संदेश दिया। विधायक को आम युवाओं की तरह खेलते देख मौजूद लोग आश्चर्यचकित भी हुए और गर्व का अनुभव भी किया। नगरवासियों ने कहा कि ऐसे क्षण जनप्रतिनिधि और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करते हैं। विधायक के इस व्यवहार की नगरभर में सराहना की गई। मकर संक्रांति के अवसर पर बुधवार को दान-पुण्य की संक्रांति मनाई गई, वहीं गुरुवार को भी दान-पुण्य का पर्व मनाया जाएगा। नगर में सुबह से ही गोमाता की सेवा का सिलसिला शुरू हो गया था। त्रिमूर्ति चौराहा, बस स्टैंड चौराहा, हाथी दरवाजा, स्टेट बैंक चौराहा, इतवारिया बाजार और मैना रोड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर गोमाता को चारा खिलाया गया।

तिल गुड़ का दान कर बाटी मिठास

शास्त्रों के अनुसार मकर संक्रांति पर तिल खाना, तिल से स्नान करना और तिल का दान करने से व्यक्ति को काफी पुण्य मिलता है। गरीब व्यक्ति को कपड़ा दान करने से मानसिक शांति मिलती है। तिल दान से ग्रहों का प्रकोप भी मिटता है। ठंड के दिनों में तिल-गुड़ खाना स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभदायक है। इसी को लेकर मकर संक्रांति पर्व पर घर-घर में महिलाओं द्वारा परंपरागत तिल और गुड़ के लड्डू बनाए गए। महिलाओं द्वारा तिल के लड्डू व गजक से परिवार के लोगों व रिश्तेदारों का मुंह मीठा कर संक्रांति पर्व मनाया गया। साथ ही लोगो द्वारा तिल व कपड़े का दान कर पुण्य लाभ कमाया।

विद्यार्थियों को प्रकृति दर्शन कराया

शुजालपुर वन परिक्षेत्र ने अनुभूति शिविर का आयोजन किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

वनमण्डल अधिकारी शाजापुर के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र शुजालपुर की बीट शुजालपुर के जटाशंकर नर्सरी वनक्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन वन विभाग अंतर्गत मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सौजन्य से ईको अनुभूति कैंप सहजागरुकता शिविर लगाया गया। जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया जिन्हे अनुभूति कीट प्रदान की गई। इन स्कूली बच्चों को वनक्षेत्र का भ्रमण कराया गया, जटाशंकर मंदिर के पास स्थित नदी किनारे पक्षी दर्शन कराते हुए विस्तार से पेड़ पौधों और वन्य पशु पक्षियों की जानकारी दी गई। सेवानिवृत्त वन रक्षक हरिश सक्सेना ने वन विभाग एवं वन्यप्राणीयो से संबंधित रोचक जानकारियां प्रदान की। डिप्टी रेंजर के एल भिलाला ने जटाशंकर नर्सरी से वृक्षारोपण स्थल के मध्य पड़ने वाले पेड़ पौधों और औषधीय पौधों के बारे में बताया। जिसमें पलास, करंज, अपामार्ग, जलजमनि इत्यादि वृक्षों के महत्व सामाजिक दृष्टि से धार्मिक दृष्टि से व्यावसायिक दृष्टि से उनका हमारे जीवन में महत्व बताया। शुजालपुर निवासी वन्यप्राणी रेस्क्यू एक्सपर्ट सर्पमित्र हसीब पठान ने सांपों के बारे में बहुत ही विस्तार से लाभप्रद जानकारियां दी, सांप एवं गोयरे के बारे में फैली भ्रांतियों एवं अंधविश्वासों को स्पष्ट किया, जिससे बच्चे काफी प्रफु ल्लित हुए। वन परिक्षेत्र अधिकारी शुजालपुर रतन सिंह सिंगोड़ ने अनुभूति शिविर की थीम हम है बदलाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि पेड़ हमारे मित्र हैं हमें प्राण वायु देते हैं इनका संरक्षण करना आप हम सबका नैतिक दायित्व है। स्कूली बच्चों को वन्य जीवों के पग मार्क के बारे में भी बताया गया। साथ ही चीता, कृष्णमृग के कैप्चरिंग रेस्क्यू ऑपरेशन बोमा के बारे में जानकारी दी गई, जिससे बच्चे बहुत रोमांचित हुए।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई

वन भ्रमण उपरांत स्कूली बच्चों के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 20 मिनट के समय 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का जवाब टिक करना था, उक्त परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थानों पर आनेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर मनोबल बढ़ाया गया। अनुभव शिविर सहजागरुकता शिविर कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों को ट्राफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्त वनरक्षक हरीश सक्सेना एवं आभार परिक्षेत्र स्टॉफ राजेश जावरिया, प्रदीप विश्वकर्मा, देवेंद्र मगोरिया ने माना। इस अवसर पर विभिन्न शासकीय स्कूलों के शिक्षक शिक्षिकाए, वनकर्मी योगेश जावरिया, अजय देशमुख, करण सिंह, अंतर सिंह, दीपक, रुस्तम आदि उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान 4 चरणों में 12 जनवरी से 31 मार्च तक किया जायेगा संचालित

गुना। संकल्प से समाधान अभियान के 4 चरणों में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक चलाया जायेगा। जिसमें शहरी क्षेत्र हेतु नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर अखिलेश जैन एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए नोडल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे को बनाया गया है। अभियान के 4 चरणों में विभिन्न विभागों की 106 सेवाएं को सम्मलित किया गया है। जिसमें नगरीय विकास एवं आवास विभाग की 14 सेवाएँ भी शामिल हैं। प्रथम चरण 12 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक चलेगा प्रथम चरण में वार्ड स्तरीय दल विभिन्न योजनाओं के आवेदन प्रत्येक वार्ड से एकत्रित करेंगे, एवं दल के नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को पोर्टल पर ऑनलाइन करायेंगे। पोर्टल के द्वारा आवेदनों को संबंधित विभाग को प्रेषित किया जाएगा। द्वितीय चरण का अभियान दिनांक 16 फरवरी से 15 मार्च 2026 तक चलाया जायेगा। जिसमें प्रथम चरण के आवेदन के निराकरण के लिये कलस्टर स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। तृतीय चरण का अभियान 16 मार्च से 26 मार्च 2026 तक चलाया जायेगा। इस चरण में विकासखंड स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। चतुर्थ चरण का अभियान 26 मार्च से 31 मार्च 2026 तक चलाया जायेगा। इस चरण में जिला स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे एवं इसकी अध्यक्षता प्रभारी मंत्री द्वारा की जाएगी। निराकरण के साथ जिला स्तरीय समारोहों में सम्मान पूर्वक हितलाभ वितरण भी किया जाएगा। अभियान की संपूर्ण कार्यवाही पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।

जहरीले पदार्थ के सेवन से तबीयत बिगड़ी

सुसनेर। बुधवार को समीप ग्राम सारसी में अज्ञात कारणों के चलते 35 वर्षीय युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। युवक की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल सुसनेर सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां ड्यूटी डॉक्टर बी.बी. पाटीदार द्वारा गुमान पिता भेरू सिंह, जाति सोंधिया, निवासी ग्राम सारसी का प्राथमिक उपचार किया गया। युवक की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे आगे के उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना संबंधित विभाग को दी गई है।

डा. बीके बंगाली का आकस्मिक निधन

सारंगपुर। उदनखेडी में मंगलवार को प्रभातफेरी के लिए सुबह 6 बजे घर से निकले डा. बीके बंगाली (40वर्ष) का अचानक पेर फिसला और वह जमीन पर गिर गए जिससें वह घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डा. बंगाली प्रतिदिन गांव में प्रातः प्रभात फेरी मे जाते थे। काफी मिलनसार, धार्मिक प्रवृत्ति के सरल व्यक्ति थे और लोगों को बेहतर उपचार भी देते थे। इसके लिए उनके निधन से उदनखेडी एवं आस पास क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है। मंगलवार दोपहर 12 बजे उनके शवयात्रा उनके स्वनिवास से स्थानीय मुक्तिधाम पहुंची जहां उनके एक मात्र पुत्र ने उन्हें मुखाग्नि दी। शवयात्रा में बड़ी संख्या में व्यापारियो, वरिष्ठजन एवं आमजन ने शामिल होकर उन्हें श्रंद्धाजलि दी। दिवंगत बंगाली अपने पिछे एक पुत्र एक पुत्री छोड गये।

हिसाब कर लौट रहे थे घर, रास्ते में घेरकर की घटना

जमीनी विवाद में ठेकेदार पर हाईवे स्थित होटल के पास चली गोली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

जिले में जमीनी रंजिश के चलते खूनी खेल सामने आया है। मंगलवार रात धमनार गांव के समीप नेशनल हाईवे पर स्थित के-2 होटल के पीछे एक ठेकेदार पर हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में ठेकेदार के हाथ में गोली लगी है, जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमनार निवासी दीवान सिंह जाटव पेशे से ठेकेदार हैं। मंगलवार रात करीब 9 बजे वह अपनी साइट पर मजदूरों का भुगतान और हिसाब-किताब पूरा करने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान होटल के पास घात लगाकर बैठे आरोपियों ने उन्हें रोक लिया। चश्मदीदों और परिजनों के अनुसार, हमलावरों ने पहले दीवान सिंह के साथ बेरहमी से मारपीट की और फिर उन पर पिस्टल से फायर कर दिया। गोली उनके हाथ को चीरते हुए निकल गई, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

5 बीघा जमीन बनी रंजिश की वजह

विवाद की मुख्य जड़ नेशनल हाईवे के पास स्थित करीब 5 बीघा पट्टे की जमीन बताई जा रही है। पीड़ित पक्ष का दावा है कि इस बेशकीमती जमीन पर गांव के ही कुछ रसूखदार लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। दीवान सिंह लगातार अपनी जमीन को कब्जा मुक्त कराने का प्रयास कर रहे थे, जिससे आरोपी पक्ष उनसे रंजिश रख रहा था।

पुलिस और प्रशासन पर उठ रहे सवाल

घायल ठेकेदार की पत्नी ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जमीन विवाद को लेकर पूर्व में कई बार शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी लापरवाही का नतीजा है कि आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए और उन्होंने जानलेवा हमला कर दिया।इस मामले में फिलहाल पुलिस ने अज्ञात और चिन्हित हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है अस्पताल में पीड़ित का उपचार जारी है, मामले में पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।

सिविल हॉस्पिटल में रोगी कल्याण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

महिदपुर। शासकीय चिकित्सालय में रोगी कल्याण समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा रोगी कल्याण समिति अध्यक्ष विधायक दिनेश जैन बोस की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना था।अधिकारियों की उपस्थितिः बैठक में एसडीएम अजय हिंगे, जनपद सीईओ मीना झा, बीएमओ डॉ. शोभना भामोर और डॉ. महेश रामपुरे, जनपद अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा शिवनारायण सूर्यवंशी उपस्थित रहे। अस्पताल के विकास और सुविधाओं से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों को समिति के समक्ष रखा गया और उन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। विधायक दिनेश जैन बोस ने अस्पताल में आने वाले रोगियों को उचित और समय पर इलाज सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा व्यवस्था में आ रही समस्याओं पर भी गहन चर्चा की। बैठक के माध्यम से महिदपुर सिविल हॉस्पिटल में आने वाले समय में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की उम्मीद है। अंत में आभार डॉ महेश रामपुरे ने माना।

खेलो एमपी यूथ गेम्स: विकासखंड स्तरीय चयन स्पर्धा आयोजित

सुसनेर। मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निदेर्शानुसार आगर-मालवा जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी शक्ति राऊत के निर्देशन में खेलो एमपी यूथ गेम्स के अंतर्गत मंगलवार को विकासखंड स्तरीय चयन स्पर्धा का आयोजन सुसनेर में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड खेल युवा समन्वयक सोनू पाटीदार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सुसनेर भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, पार्षद युगल किशोर परमार, भाजपा युवा मीडिया प्रभारी दीपक जैन, भाजपा युवा मंत्री लखन सेन तथा पूर्व प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष वीरेंद्र डेहरिया उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को युवाओं के सर्वांगीण विकास का माध्यम बताया। खेलेंगे हम, जीतेगा एमपी की भावना के साथ आयोजित इस चयन स्पर्धा में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग, शूटिंग, रस्साकशी, कुश्ती और शतरंज सहित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

पंजाबी समाज में हर्षोल्लास के साथ लोहड़ी पर्व संपन्न

तराना। पंजाबी समाज द्वारा लोहड़ी पर्व का आयोजन स्थानीय पंजाबी समाज धर्मशाला में अत्यंत उत्साह, उमंग एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। इस अवसर पर समाजजनों ने अपने-अपने घरों सहित शहर की विभिन्न कॉलोनियों में लोहड़ी जलाकर पर्व की परंपरा का निर्वहन किया।सायंकाल सभी समाजजन पंजाबी समाज भवन में एकत्रित हुए, जहाँ ढोल-नगाड़ों की गूंज और लोकगीतों के मधुर स्वरों से वातावरण पूर्णतः उत्सवमय हो गया। लोहड़ी की पावन अग्नि के चारों ओर परिक्रमा करते हुए तिल, मूंगफली एवं फुल्ली अर्पित की गई तथा परंपरा के अनुसार सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं आपसी भाईचारे की कामना की गई।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा गाए गए लोकगीतों ने आयोजन में विशेष आकर्षण जोड़ा, वहीं बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। डीजे की धुन पर युवाओं ने भांगड़ा एवं गिद्दा नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं दी तथा सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। इस आयोजन में पंजाबी समाज संगठन के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ समाजजन, मातृशक्ति एवं युवा साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनके सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं यादगार बना।

मकर संक्रांति पर पोहे जलेबी का वितरण किया

तराना। मकर संक्रांति के पर्व पर बाजारों में पतंग की रौनक आई है नगर की दुकानों पर रंग बिरंगी पतंगे और डोर की सजी हुई है नागरिकों द्वारा छत पर पतंग बाजी की गई हुई नगर के विभिन्न स्थानों पर प्रसाद वितरण किया गया। नदी मार्ग स्थित खनखने भैरव भक्त मण्डल द्वारा संक्रांति महापर्व पर जलेबी पोहा वितरण का भव्य आयोजन किया गया। वहीं गुरुवार को भी संक्रांति बनाई गई।

सभी 12 ज्योतिलिंगों में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग को प्रथम माना गया है। मान्यता है कि यहां पर विधि-विधान से रुद्राभिषेक करने से मानसिक शांति, रोगों से मुक्ति और जीवन की बाधाओं का नाश होता है।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

आस्था, इतिहास और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक

भारत की पावन भूमि पर स्थित बारह ज्योतिलिंगों में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग को प्रथम स्थान प्राप्त है। यह गुजरात राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में प्रभास पाटन के समीप, अरब सागर के तट पर स्थित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार जहां स्वयं भगवान शिव ज्योति स्वरूप में प्रकट हुए हों, वही स्थान ज्योतिर्लिंग कहलाता है। सोमनाथ न केवल भगवान शिव की असीम कृपा का प्रतीक है, बल्कि यह सनातन धर्म की अखंड आस्था और पुनर्जन्म की भावना को भी दशार्ता है।

सोमनाथ की पौराणिक कथा

शास्त्रों के अनुसार ह्लसोमनाथह्व शब्द का अर्थ है–सोम के स्वामी। पौराणिक मान्यता के अनुसार चंद्रदेव (सोम) को दक्ष प्रजापति के श्राप के कारण क्षय रोग हो गया था।

इस रोग से मुक्ति पाने के लिए चंद्रदेव ने प्रभास क्षेत्र में भगवान शिव की कठोर तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें रोगमुक्त किया और इसी स्थान पर ज्योतिर्लिंग रूप में स्थापित हुए। तभी से भगवान शिव यहां ह्लसोमनाथह्व के नाम से पूजित हैं। यह कथा शिव की करुणा और भक्तवत्सलता को दशार्ती है।

धार्मिक महत्व और मान्यताएं

धार्मिक ग्रंथों में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का विशेष महत्व बताया गया है। शिवपुराण के अनुसार सोमनाथ के दर्शन मात्र से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। मान्यता है कि यहां विधिपूर्वक रुद्राभिषेक करने से मानसिक शांति, रोगों से मुक्ति और जीवन की बाधाओं का नाश होता है। विशेष रूप से सोमवार, महाशिवरात्रि और सावन मास में यहां पूजा-अर्चना का अत्यंत फलदायी महत्व माना गया है।

समुद्र तट पर स्थित दिव्य स्थल

सोमनाथ मंदिर की एक विशेषता यह भी है कि यह त्रिवेणी संगम क्षेत्र के समीप स्थित है, जहां हिरण, कपिला और सरस्वती नदियों का संगम माना जाता है। समुद्र की लहरों के बीच स्थित यह मंदिर साधक को आत्मचिंतन और वैराग्य की अनुभूति कराता है। मान्यता है कि यहां शिवलिंग के दर्शन से मन की चंचलता शांत होती है और साधक शिवत्व की अनुभूति करता है।

संघर्ष और पुनर्निर्माण का प्रतीक

सोमनाथ मंदिर का इतिहास अनेक विध्वंसों और पुनर्निमार्णों का साक्षी रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह मंदिर जितनी बार ध्वस्त हुआ, उतनी ही बार पुनः भव्य रूप में स्थापित हुआ। यह तथ्य सनातन धर्म की अविनाशी शक्ति और आस्था की दृढ़ता का प्रतीक माना जाता है। सोमनाथ यह संदेश देता है कि सत्य और श्रद्धा को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता।

आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र

आज भी श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग में अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा विद्यमान है। यहां किया गया जप, तप और दान कई गुना फल देता है। सोमनाथ न केवल एक तीर्थ स्थल है, बल्कि यह भगवान शिव की अनुकंपा, करुणा और संरक्षण का जीवंत प्रतीक है। इसलिए सोमनाथ ज्योतिर्लिंग हर शिवभक्त के लिए आस्था का सर्वोच्च केंद्र माना जाता है।

16 या 17 जनवरी कब है प्रदोष व्रत?

जानें तिथि, मुहूर्त और पूजन विधि

माघ माह का पहला प्रदोष व्रत बेहद खास होने वाला है। इस दिन महादेव की पूजा करने से साधक को अच्छे परिणामों की प्राप्ति हो सकती हैं और साथ ही मनचाहे परिणामों की प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत को भगवान शिव को समर्पित एक अत्यंत पुण्यदायी व्रत माना जाता है। यह हर माह की त्रयोदशी तिथि पर रखा जाता है, जिसमें सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में महादेव की पूजा का विधान है। मान्यता है कि, इस समय विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से शिवजी शीघ्र प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। शास्त्रों के मुताबिक, प्रत्येक माह के प्रदोष का अपना अलग महत्व होता है और इसे करने से न केवल जीवन की बाधाएं दूर होती हैं, बल्कि सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति भी होती है। यही नहीं वैवाहिक जीवन में मधुरता और रिश्तों में प्रेम, विश्वास और आपसी समझ बढ़ती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि, माघ माह में यह व्रत कब रखा जाएगा।

जनवरी प्रदोष व्रत 2026

पंचांग के मुताबिक, माघ कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 15 जनवरी 2026 की शाम 08:16 बजे से शुरू होगी

- यह तिथि 16 जनवरी 2026 की रात 10:21 बजे तक रहेगी।
- तिथि के मुताबिक, 16 जनवरी 2026 को प्रदोष व्रत रखा जाएगा।
- इस तिथि पर शुक्रवार होने के कारण यह शुक्र प्रदोष व्रत के नाम से मान्य होगा।
- प्रदोष पर मूल नक्षत्र और ध्रुव योग का संयोग रहने वाला है।

पूजा विधि

- प्रदोष व्रत के दिन सुबह ही स्नान कर लें और घर में गंगाजल का छिड़काव करें।
- अब शाम को प्रदोष काल में पूजा के लिए एक साफ चौकी लेकर उसपर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं।
- अब इसपर महादेव संग पूरे शिव परिवार की स्थापना करें।
- फिर सभी को वस्त्र पहनाएं और फूलों की माला अर्पित करें।
- अब आप भगवान शिव के नामों का स्मरण करते हुए शुद्ध जल, दूध, दही, घी, शहद और गुड़ व शक्कर से शिवलिंग का अभिषेक करें।
- फिर महादेव को 11 बिल्वपत्र चढ़ाएं। इस दौरान प्रभु को धतूरा और पुष्प भी चढ़ा दें।
- अब आप ह्लॐ नमः शिवायह्वका जाप करते हुए शिवलिंग पर चंदन लगाएं।
- अब मौसमी फल अर्पित करें और प्रदोष व्रत की कथा का पाठ करें।
- महादेव की आरती करें और सफेद चीजों को दान करें।
- अंत में सुख-समृद्धि की कामना करते हुए प्रार्थना करें और सभी को प्रसाद बांट दें।

चैत्र नवरात्रि और माघ गुप्त नवरात्रि में बन रहा है संयोग, जानें इस साल क्या है खास

इस वर्ष नवरात्रि की तिथियों में खास संयोग देखने को मिल रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल माघ और चैत्र नवरात्रि करीब 10-11 दिन पहले शुरू हो रही हैं। आइए जानते हैं कि इस साल चारों नवरात्रि की तिथियां क्या रहने वाली है।

हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। पूरे वर्ष में कुल चार नवरात्रि आती हैं, जिनमें दो गुप्त नवरात्रि और दो प्रकट नवरात्रि होती हैं। देवी भागवत महापुराण में इन चारों नवरात्रियों में मां दुर्गा की उपासना का उल्लेख मिलता है। वर्ष में आने वाली चार नवरात्रि आमतौर पर इन महीनों में ही पड़ती है।

- माघ गुप्त नवरात्रि (जनवरी)
- आषाढ़ गुप्त नवरात्रि (जुलाई)
- चैत्र नवरात्रि (मार्च-अप्रैल)
- शारदीय नवरात्रि (सितंबर-अक्तूबर)

नवरात्रि 2026 की तिथियां

इस वर्ष नवरात्रि की तिथियों में खास संयोग देखने को मिल रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल माघ और चैत्र नवरात्रि करीब 10झ11 दिन पहले शुरू हो रही हैं। आइए जानते हैं कि इस साल चारों नवरात्रि की तिथियां क्या रहने वाली है।

- माघ गुप्त नवरात्रि- 19 जनवरी 2026 से
- चैत्र नवरात्रि- 19 मार्च 2026 से
- आषाढ़ गुप्त नवरात्रि- 15 जुलाई 2026 से
- शारदीय नवरात्रि- 11 अक्तूबर 2026

भारत-अमेरिका के बीच गुरुवार को अंडर-19 विश्व कप का मुकाबला खेला जाएगा। भारत के पास आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी जैसे कई स्टार खिलाड़ी मौजूद हैं और उसका सामना ऐसी टीम से है जो अपेक्षाकृत भारत से कमजोर है।

अमेरिका के खिलाफ अभियान की शुरूआत करेगा भारत, जानें कैसी होगी संभावित प्लेइंग-11

बुलावायो। भारतीय अंडर-19 टीम विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत अमेरिका के खिलाफ करेगी। भारत के पास आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी जैसे कई स्टार खिलाड़ी मौजूद हैं और उसका सामना ऐसी टीम से है जो अपेक्षाकृत भारत से कमजोर है। भारत इस टूनार्मेंट में अपने छठा खिताब जीतने के इरादे से उतरेगा। भारत ने 16 अंडर-19 विश्व कप में से पांच बार इस खिताब को अपने नाम किया है।

विराट कोहली, रोहित शर्मा, केन विलियमसन, जो रूट और स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ियों ने इसी टूनार्मेंट के जरिए क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था और बाद में उन्होंने खुद को खेल के दिग्गज खिलाड़ियों के रूप में स्थापित किया। भारत के मौजूदा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने भी पहली बार 2018 के अंडर-19 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं, जिसमें टीम ने पृथ्वी शॉ के नेतृत्व में जीत हासिल की थीं। भारत ने 2018 के अलावा 2000, 2008, 2012 और 2022 में ट्रॉफी जीती है। वह 2024 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था लेकिन इस बार वह खिताब का प्रबल दावेदार है।

भारतीय टीम कागजों पर संतुलित और मजबूत दिखती है। पिछले 16 मैचों में 13 में जीत हासिल करके टीम ने साबित कर दिया है कि वह जीतना जानती है। इस बीच उसने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीती। इसका मतलब है की टीम विदेश की परिस्थितियों में भी जीत हासिल करना जानती है। भारतीय चुनौती का नेतृत्व प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी, कप्तान आयुष म्हात्रे, उपकप्तान विहान मल्होत्रा और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज आरोन जॉर्ज करेंगे। जॉर्ज अंडर-19 एशिया कप में 228 रन बनाकर भारत के शीर्ष स्कोरर रहे थे।

प्रतिभाशाली सूर्यवंशी का स्टार बनना तय लग रहा है, लेकिन इस भारतीय टीम में अन्य खिलाड़ी भी हैं जिन्हें भविष्य के सितारों के रूप में देखा जाता है और जो कोहली, रोहित और गिल जैसे खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। टूनार्मेंट से पहले चोटिल होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर रहने वाले म्हात्रे और मल्होत्रा ने टीम में वापसी की है जिससे भारत की बल्लेबाजी को मजबूती मिली है। जहां तक तेज गेंदबाजी का सवाल है तो तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं। उनका अनोखा एक्शन उनकी सफलता में अहम भूमिका निभा सकता है। आरएस अंबरीश भी अच्छी गति से गेंदबाजी करते हैं और बल्ले से भी उपयोगी योगदान देने की क्षमता रखते हैं। किशन सिंह और हेनिल पटेल टीम के अन्य दो तेज गेंदबाज हैं।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

भारत अंडर-19: आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, आरोन जॉर्ज, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह।

यूएसए अंडर-19: उत्कर्ष श्रीवास्तव (कप्तान), अमरिंदर गिल, साहिल गर्ग, ऋषभ सिम्पी, एडनिट झांब, आदित कप्पा, अमोघ आरेपल्ली (विकेटकीपर), अदविथ कृष्णा, रयान ताज, साहिर भाटिया, शिव शानी।

रोहित से छिना ताज, चार साल बाद फिर शीर्ष पर कोहली

दुबई। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली वनडे में शीर्ष बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी की जारी ताजा रैंकिंग में कोहली ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है और वह नंबर एक स्थान पर आ गए हैं। रोहित तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल हैं। दिलचस्प बात यह है कि कोहली और मिचेल के बीच महज एक रैटिंग अंक का फासला है। कोहली 785 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वहीं, मिचेल के 784 अंक हैं।

2013 में पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे कोहली: कोहली ने यह रैंकिंग पहली बार अक्तूबर 2013 में हासिल की थी और यह उनका 11वां अलग-मौका है जब वह नंबर-एक बने हैं। आज की तारीख तक, वे कुल 825 दिनों तक नंबर-एक पर रह चुके हैं, जो दुनिया में 10वां सबसे लंबा और किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए थे 28000 रन: विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे कर लिए थे। यह ऐतिहासिक उपलब्धि उन्होंने न्यूजीलैंड के स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर जोरदार शॉट लगाकर हासिल की थी। इसके साथ ही कोहली सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए। खास बात यह रही कि कोहली ने यह कारनामा सिर्फ 624 पारियों में कर दिखाया, जिससे वे इस आंकड़े तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए।

53 महीने बाद फिर नंबर एक बने विराट

कोहली 53 महीने बाद वनडे में फिर नंबर एक बल्लेबाज बने। 37 वर्षीय कोहली जुलाई 2021 के बाद रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। कोहली पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी वनडे में नाबाद 74 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने पिछली चार पारियों में 135, 102, 65 और 93 रन बनाए हैं। कोहली की यह पारी न्यूजीलैंड के 300 रन के लक्ष्य को वडोदरा में सफलतापूर्वक पार करने में अहम साबित हुई थी।

केएल राहुल एक स्थान ऊपर आए: वनडे रैंकिंग में अन्य भारतीयों की बात करें तो कप्तान शुभमन गिल पांचवें और श्रेयस अय्यर 10वें स्थान पर बरकरार हैं। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को एक स्थान का फायदा हुआ है और वह 11वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं, गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज पांच स्थान की छलांग लगाकर 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पताः श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
संपर्क मो.9575477077

कृषि भूमि बेचना है
• उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवलिया में मात्र 22 लाख रुपये बीघा
• 25X60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में
• 13X50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर
• 17X30 तीन मंजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर
मो. 9301388290, 9340903559

शॉप बेचना है
12/1 भोज मार्ग, फ्रीगंज उज्जैन में साढ़े सात 20 की शॉप बेचना है।
संपर्क
9993368146

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'×55' और 15'×55' साइज के प्लाट बेचना है। प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

अमरूद बेचना है
अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।
: संपर्क :
7746856444

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क
9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

तेजाजी नगर में कार डिवाइडर से टकराई, राजस्थान के 11 लोग घायल

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर क्षेत्र में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे एक सड़क हादसा हो गया। यहां राजस्थान के लोगों से भरी एक बोलेरो कंट्रोल खोकर डिवाइडर से जा टकराई, जिससे 11 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सभी घायलों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार को बचाने में यह हादसा हुआ। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक यह घटना ब्रिज के पास हुई। देर रात राजस्थान से आ रही बोलेरो तेज रफ्तार में थी और अचानक नियंत्रण खोकर डिवाइडर से जा टकराई। इस हादसे में तेजसिंह पुत्र थारवा निवासी ग्राम मुन्ना डोगर, बांसवाड़ा, धर्मेंद्र पुत्र वालसिंह, सबूर पुत्र जितरा, मनसुख पुत्र हार्डिया, मानसिंह पुत्र जितरा, लालू पुत्र गजिया, पिंटू पुत्र मांगीलाल, कालू सिंह डोगर और सादिया घायल हो गए। सभी का एमवाय अस्पताल में उपचार चल रहा है।

शराब पीने जा रहे युवक को पिता ने रोका तो चौथे माले से छलांग लगा दी

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने अपने घर के चौथे माले से छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि युवक शराब पीने जा रहा था, जिसे उसके पिता ने रोक दिया। इसके बाद वह घर की छत पर पहुंचा और वहां से कूद गया। गंभीर हालत में उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक घटना गोल्डन पाम टाउनशिप की है। यहां बुधवार रात वैभव (28) पिता राकेश गायकवाड़ ने अपने घर के चौथे माले से कूदकर जान दे दी। घायल अवस्था में पिता और अन्य परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। पिता ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि शाम को वैभव ने शराब पी थी। इसके बाद रात में वह दोबारा शराब पीने की जिद कर रहा था। इसी कारण उसे नीचे के गेट पर ताला लगाकर रोक दिया गया। इससे नाराज होकर वैभव ऊपर चला गया और उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। वैभव अमेरिका की एक निजी कंपनी के लिए सॉफ्टवेयर का काम करता था और घर से ही वर्क फ्रॉम होम कर रहा था। परिवार में उसका एक बड़ा भाई भी है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल की मचुर्री में रखवाया है।

आधार व वोटर आईडी किसी व्यक्ति की जन्मतिथि का निर्णायक प्रमाण नहीं माने जा सकते

इंदौर। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि आधार कार्ड और वोटर आईडी किसी व्यक्ति की जन्मतिथि का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं माने जा सकते। ये दस्तावेज स्व-घोषणा के आधार पर बनाए जाते हैं और केवल पहचान के उद्देश्य से होते हैं। यह टिप्पणी जस्टिस जय कुमार पिल्लई की एकलपीठ ने की है। अतिरिक्त कलेक्टर (धार) के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई थी। अतिरिक्त कलेक्टर ने आंगनवाड़ी सहायिका हिलीबाई की सेवानिवृत्ति को गलत मानते हुए उन्हें पुनः बहाल कर दिया था। चूंकि पद एक ही स्वीकृत था, इसलिए वर्तमान पदस्थ सहायिका को सेवा से हटा दिया गया था। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की नीति के अनुसार चयन प्रक्रिया पूरी कर जून 2018 में उनकी नियुक्ति की गई थी। इससे पहले वही पद हिलीबाई के पास था, जिन्हें सेवा अभिलेख में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 5 मार्च 2017 को सेवानिवृत्त कर दिया गया था। इस आदेश को उस समय कभी चुनौती नहीं दी गई। करीब दो साल बाद हिलीबाई ने अपील दायर कर दावा किया कि उनकी जन्मतिथि 5 मार्च 1955 नहीं, बल्कि 1 जनवरी 1964 है, जिसका आधार उन्होंने आधार कार्ड और वोटर आईडी को बताया।

लोकेशन बदलें : वायु प्रदूषण गलत जांच रहा निगम, 4 स्टेशनों पर रोक

इंदौर। शहर में साफ हवा की मॉनिटरिंग की भी पोल खुलने लगी है। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत नगर निगम के चार वायु प्रदूषण मापन केंद्रों की लोकेशन पर सवाल उठाए हैं। इनके डाटा को ऑनलाइन पोर्टल से हटाते हुए उपयोग पर भी रोक लगा दी है। रिपोर्ट में लिखा है कि इन केंद्रों से भ्रामक और नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करने वाला डाटा जनरेट हो रहा है। वायु प्रदूषण मापन केंद्रों की जगह तुरंत बदली जाए। पोर्टल पर पिछले आठ दिनों 8 में से 7 केंद्र बंद दिख रहे हैं। इनमें से चार नगर निगम के हैं। शहर में 2019-20 से इन केंद्रों पर मापन चल रहा है। केंद्र के सामने हमारी वायु गुणवत्ता अच्छे मानक पर खरी उतरी और शहर को सबसे प्रदूषित शहर की श्रेणी से राहत भी दी गई। सीएस की समीक्षा के लिए तैयार नोट में भी इंदौर की आबोहवा बेहतर है। हालांकि इस संबंध में क्षेत्रीय प्रदूषण बोर्ड और निगम अफसर सीधे तौर पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं, लेकिन पत्र जारी होने के बाद 7 जनवरी से सभी चार केंद्रों का डाटा ऑनलाइन नहीं दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक बीते सप्ताह एक्यूआई 120 से 220 तक दर्ज किया जा रहा है।

कोचिंग के लिए निकले दो छात्र लापता दोनों देर रात तक घर नही पहुंचे

इंदौर। इंदौर के हीरानगर क्षेत्र में कोचिंग जाने के लिए घर से निकले दो छात्र लापता हो गए। देर रात तक दोनों के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने एक-दूसरे से संपर्क किया। इसके बाद कोचिंग संस्थान से जानकारी ली गई, जहां पता चला कि बुधवार को दोनों छात्र कोचिंग भी नहीं पहुंचे थे। इस पर रात में थाने पहुंचकर परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए एफआईआर दर्ज कराई। हीरानगर पुलिस के अनुसार, आयुष (15) और उसके दोस्त मोहित (12) के अपहरण के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। परिजनों ने बताया कि आयुष और मोहित बुधवार शाम करीब 5 बजे ईश्वर नगर स्थित कोचिंग जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन दोनों न तो कोचिंग पहुंचे और न ही रात तक घर लौटे। जब मोहित के परिजनों से संपर्क किया गया तो उन्होंने भी उसके घर नहीं पहुंचने की पुष्टि की। इसके बाद परिजनों की शंका के आधार पर पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज किया। आयुष और मोहित दोनों स्कूल के दोस्त हैं और 10वीं कक्षा में अध्ययनरत हैं। पुलिस ने आसपास के जिलों में भी दोनों बच्चों की सूचना साझा कर तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुशील पटेल के अनुसार, दोनों की अंतिम मोबाइल लोकेशन इंदौर शहर की ही सामने आई है, जबकि फिलहाल उनके मोबाइल फोन स्विच ऑफ आ रहे हैं। बच्चों की तलाश के लिए एक टीम गठित कर दी गई है।

आवश्यकता है
(1) अमूल आइसक्रीम में सेल्समैन एवं डिलेवरी मैन की
कार्य समयः दोपहर 12 से शाम 6
(2) पेपर काउंटर संभालने वाले की जिसको एकाउंट का ज्ञान हो
कार्य समयः सुबह 4 से सुबह 8 (4 घंटे)
बागड़िया न्यूज़ एजेंसी
121 सेंट्रल कोतवाली के सामने उज्जैन
9425332161

वाराणसी के विश्वप्रसिद्ध मणिकर्णिका घाट के एक हिस्से को तोड़ा जा रहा जानकारी लगने पर खासगी देवी अहिल्याबाई होलकर चैरिटीज ट्रस्ट के प्रेसीडेंट

प्रिंस यशवंतराव होलकर मणिकर्णिका घाट पहुंचे

मूर्तियों की पूजा की, प्रणाम कर प्रशासन से बोले- इन्हें हमें सौंप दें, हम दोबारा स्थापित करेंगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

वाराणसी के विश्वप्रसिद्ध मणिकर्णिका घाट के एक हिस्से को तोड़ा जा रहा है। यहां रखी मूर्तियों में भी टूट-फूट हुई है। यह जानकारी लगने के बाद खासगी देवी अहिल्याबाई होलकर चैरिटीज ट्रस्ट के प्रेसीडेंट यशवंतराव होलकर तृतीय आज घाट पर पहुंचे। उन्होंने प्रतिमाओं की पूजा कर सफेद कपड़े से ढंक दिया ताकि उन्हें नुकसान न पहुंचे।

उन्होंने वाराणसी के निगमायुक्त, संभागायुक्त और अन्य अफसरों से मुलाकात कर वस्तुस्थिति बताई। यशवंतराव होलकर ने कहा कि क्षतिग्रस्त मूर्तियां हमें सौंप दी जाए, ताकि हम उन्हें यहां फिर से स्थापित कर सकें, जिससे लोगों की श्रद्धा बनी रहे। वाराणसी के कलेक्टर सत्येंद्र ने कहा कि घाट की मूर्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। उन्हें सुरक्षित रखा गया है। कुछ लोग एआई से घाट के गलत वीडियो बनाकर जारी कर रहे हैं। ऐसे लोगों को ट्रेस किया जा रहा है।

ताई से वाराणसी कलेक्टर ने कहा- अंत्येष्टी के लिए आ रहे ज्यादा शव, इसलिए घाट चौड़ा कर रहे

वाराणसी के ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट पर निर्माण कार्यों के दौरान प्रतिमाओं को क्षति पहुंचने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इंदौर में बढ़ते विरोध के बीच पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने वाराणसी कलेक्टर से चर्चा कर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। वाराणसी में मणिकर्णिका घाट तोड़े जाने को लेकर इंदौर में हो रहे विरोध के बीच पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने वाराणसी कलेक्टर से फोन पर चर्चा की। कलेक्टर ने ताई को लिखित में घाट को लेकर स्पष्टीकरण भी दिया है। उन्होंने कहा कि घाट पर पहले की तुलना में अंत्येष्टि के लिए ज्यादा शव आने

लगे हैं। इस कारण अब घाट पर व्यवस्थाएं जुटाना पड़ रही हैं। इसी वजह से घाट चौड़े किए जा रहे हैं। उधर होलकर राज परिवार के यशवंतराव होलकर वाराणसी पहुंचे और उन्होंने देवी अहिल्या व अन्य प्रतिमाएं सुरक्षित रखवा कर दोष निवारण अभिषेक किया।

वाराणसी में घाट तोड़े जाने की घटना के बाद पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने वाराणसी कलेक्टर सत्येंद्र कुमार से बातचीत की। कलेक्टर ने उनसे कहा कि प्रतिमाएं सुरक्षित कर ली गई हैं। उन्हें फिर घाट पर स्थापित किया जाएगा। घाट पर अंत्येष्टि के लिए ज्यादा शव आने लगे हैं। इस कारण घाट पर प्लेटफार्म, लकड़ी स्टोरेज, पूजा स्टोर, मुंडन स्थल बनाया जा रहा है। घाट पर मढ़ी को भी बनाया जाएगा। कलेक्टर ने यह भी स्वीकार किया कि मशीनों से तोड़े जाने के कारण जो प्रतिमाएं प्रभावित हुई हैं, उन्हें सुरक्षित रखा गया है।

मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार के लिए हर साल लाखों लोग आते हैं। जगह की कमी रहती है और सफाई व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाई आती है। उन समस्याओं को देखते हुए परियोजनाओं को विकसित किया गया है। प्रशासन ने इस मामले में स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद मूर्तियों को उसी स्थान पर लगाया जाएगा। मणिकर्णिका का घाट पर कलाकृतियां को संरक्षित कराया गया है। जो इसे लेकर भ्रम फैला रहे हैं उन्हें चिह्नित किया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर उन पर कार्रवाई भी की जाएगी।

यशवंतराव बोले- घाट की हालत खराब, हमने मांगी प्रतिमाएं

- इधर, यशवंतराव होलकर ने वाराणसी से वीडियो जारी कर घटनाक्रम के बारे में बताया और कहा कि स्थानीय प्रशासन से पूरा सहयोग मिल रहा है। वीडियो में उन्होंने आगे कहा कि 'मणिकर्णिका घाट पर मां अहिल्या देवी द्वारा विकसित घाट की तोड़फोड़ के बाद आज मैं यहां काशी आया हूं।
- आज उसकी हालत क्या हो गई है, मेरे पीछे देख सकते हैं। स्थानीय प्रशासन संभागायुक्त और निगमायुक्त से मुलाकात कर घटनाक्रम की जानकारी दी है। मैंने उनसे मांग की है कि इस घटना की जांच की जाए। जो जिम्मेदार लोग हैं, उन पर कार्रवाई की जाए।
- ये सबसे महत्वपूर्ण बात है कि मां साब की चार प्राचीन प्रतिमा जो मां साब ने खुद स्थापित की थी, अब दो बची है। तोड़फोड़ के बाद सरकार ने उन प्रतिमाओं को सुरक्षित कर लिया है।
- हमने प्रशासन से मांग की है कि इन प्रतिमाओं को खासगी ट्रस्ट को सौंप दिया जाए। ताकि हम सही ढंग से उन्हें मंदिर में रख सकें।

23 मौतों के बाद भागीरथपुरा में हर तरफ काम

नर्मदा की डाली जा रही पाइप लाइन, रास्ते उबड़-खाबड़, आज हाईकोर्ट में सुनवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भागीरथपुरा में दूषित जल ने 23 लोगों की जिंदगी छिन ली। कई लोग आज भी इस दूषित पानी के कारण अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि 3 लोग अभी भी वेंटिलेटर पर हैं। सैकड़ों लोग अस्पताल में अपना इलाज करा चुके हैं। अब भागीरथपुरा में नर्मदा और ड्रेनेज का काम तेजी से किया जा रहा है। हालांकि इस काम के चलते रास्ते उबड़-खाबड़ जरूर हो गए हैं, लेकिन लोगों को उम्मीद है कि इस काम से उनके यहां हुई त्रासदी से मुक्ति मिल जाएगी। इधर, गुरुवार को इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई होना है।

चौकी के सामने भी शुरू हुआ काम, अंदर भी ऐसे ही हालत

- भागीरथपुरा टंकी के पास बने गार्डन और भागीरथपुरा चौकी के सामने वाली रोड पर नर्मदा की लाइन डालने का काम शुरू हो गया है। नर्मदा के पाइप डालने के लिए यहां पर जेसीबी से सड़क खोदी जा रही थी। साथ ही यहां पर लाइन डालने के लिए पाइप रखे हुए थे। यहां काम करने वालों का कहना था कि नर्मदा की लाइन डालने का काम किया जा रहा है।
- यहीं से थोड़ा आगे बढ़ने पर भागीरथपुरा के अंदर जाने पर भी ड्रेनेज और नर्मदा लाइन का काम किया जा रहा था। यहां एक चाय की दुकान के सामने से जा रही रोड पर जेसीबी से जो खुदाई कर लाइन डाली गई, उसे भरने का काम चल रहा था। जिसके कारण यहां से लोगों की आवाजाही लगभग ना के बराबर ही थी। रास्ता बंद होने के कारण लोग गलियों से आना-जाना करते नजर आए।
- इससे आगे बढ़ने पर अंदर जहां आयुष्मान आरोग्य मंदिर बना है। उसके सामने भी लाइन डालने का काम किया गया। उससे थोड़ा आगे बढ़ने के बाद स्थिति ऐसी थी कि रोड़ पर कीचड़ फैला हुआ था। जगह-जगह रोड उबड़-खाबड़ हो रही थी। जिससे दो पहिया वाहन चालकों के साथ ही पैदल चलने वालों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

लसूड़िया में टाउनशिप निर्माण के दौरान गिरा ट्रांसफार्मर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक निजी कंपनी टाउनशिप का निर्माण कर रही है और इसके लिए लापरवाही से खुदाई की जा रही है, जिससे न्यू रेसकोर्स बिल्डिंग को भारी नुकसान पहुंचा है। इस बिल्डिंग की ड्रेनेज व पानी की लाइनें टूट गईं, तो सड़क और ट्रांसफार्मर धंस गए। इस कारण पानी की सप्लाई, ड्रेनेज और बिजली की समस्या खड़ी हो गई है।

घटना के बाद आक्रोशित रहवासी थाने पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लसूड़िया पुलिस ने बुधवार को पंकज दुबे निवासी न्यू रेसकोर्स बिल्डिंग महालक्ष्मी नगर की शिकायत पर ठेकेदार जगदीश दांगी और शाहिद चौहान के खिलाफ तोड़फोड़ करने और 113 परिवारों की जान खतरे में डालने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

रहवासियों ने बताया कि उनकी टाउनशिप के पास सिंगापुर मरीना नाम से कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है, जिसे सार्थक विनायक रियल बिल्ट द्वारा कराया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में खुदाई का कार्य जगदीश दांगी और कांक्रीट का काम शाहिद चौहान को सौंपा गया था।

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

बिना तोड़फोड़ वास्तु समाधान
• कर्ज बढ़ रहा है
• बच्चा नशा करता है
• पति बीमार है
• काम छूट गया है
पं. पंकज शर्मा
मैं करुंगा समाधान
पाटन वाले गुरुजी
Mob.9977444550
पता - शिव मंदिर के पास, जेल रोड, इंदौर

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियाँ व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिक्कड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com